लखनऊ

रविवार, 31 मई, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 274

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

किसी के चेहरे की मुस्कुराहट की वजह ही बनो... खुशी ही नहीं सुकून भी मिलेगा।

TODAY WEATHER

DAY 42° Hi

NIGHT 29° Low

संक्षेप

3 जून को मुख्यमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं डीके शिवकुमार, मंत्रिमंडल में भी बड़ा फेरबदल

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक की राजनीति में जारी हलचल के बीच नेतृत्व परिवर्तन को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डीके शिवकुमार 3 जून को मुख्यमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। उनके साथ 10 अन्य मंत्रियों के भी शपथ लेने की संभावना जताई जा रही है। इसके बाद 18 जून के बाद मंत्रिमंडल विस्तार किया जा सकता है। सूत्रों का कहना है कि राज्यसभा चुनाव के बाद कर्नाटक सरकार के मंत्रिमंडल के विस्तार की प्रक्रिया आगे बढ़ सकती है। इस बीच राज्य सरकार में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर चर्चाएं तेज हैं और कांग्रेस नेतृत्व शनिवार को होने वाली कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) की महत्वपूर्ण बैठक की तैयारी में जुटा हुआ है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, डीके शिवकुमार की संभावित कैबिनेट में करीब 50 प्रतिशत नए चेहरों को जगह मिल सकती है। वहीं, कर्नाटक विधान परिषद में कांग्रेस के मुख्य सचेतक सलीम अहमद ने शुक्रवार को कहा कि मंत्रिमंडल गठन, क्षेत्रीय और सामाजिक (जातीय) प्रतिनिधित्व तथा संभावित उपमुख्यमंत्रियों की नियुक्ति से जुड़े अंतिम फैसले सीएलपी बैठक के बाद कांग्रेस आलाकमान द्वारा लिए जाएंगे। बैठक में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल और रणदीप सिंह सुरजेवाला के शामिल होने की संभावना है। सूत्रों के मुताबिक, बैठक के बाद मुख्यमंत्री पद को लेकर औपचारिक घोषणा की जा सकती है। साथ ही शपथ ग्रहण समारोह की तारीख का भी ऐलान होने की उम्मीद है। इस बीच, मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने कांग्रेस आलाकमान के निर्देशों के बाद अपना इस्तीफा सौंप दिया है। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने शुक्रवार को उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया। हालांकि, नेतृत्व परिवर्तन और शपथ ग्रहण को लेकर अब तक कांग्रेस की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। राजनीतिक हलकों की नजरें अब सीएलपी बैठक और पार्टी आलाकमान के फैसले पर टिकी हैं।

महाराष्ट्र के परभणी में बाइक-बस की आमने-सामने की टक्कर में चार लोगों की मौत

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के परभणी जिले में एक मोटरसाइकिल और एक निजी बस के बीच हुई भीषण टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना व्यस्त परभणी-पाथरी मार्ग पर राहुल जिनिंग के पास अंधारवाड़ मारुति मंदिर क्षेत्र के नजदीक हुई। अधिकारियों ने बताया कि टक्कर इतनी भीषण थी कि मोटरसाइकिल पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। अधिकारियों के अनुसार, श्रीनिधि ट्रेवल्स की बस परभणी से पुणे जा रही थी। इसी दौरान बस ने राहुल जिनिंग के पास आ रही बाइक को टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल पर सवार चारों लोगों की मौत हो गई। मृतकों के नाम शुभम अप्पाराव दाहे (30), विष्णु गोरे (28), प्रहलाद अशोकराव कुटे (29) और नवनाथ शामराव जाधव (38) हैं। तेज टक्कर की आवाज सुनकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने बताया कि कुछ ही देर बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई जब उत्तेजित भीड़ ने कथित तौर पर दुर्घटनाग्रस्त निजी बस को नुकसान पहुंचाया।

सीएम योगी का लखनऊ से बड़ा बयान, 'जो देश-समाज के लिए खतरा, उनके लिए हिंसा ही उचित'

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

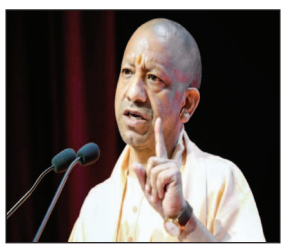

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि अहिंसा मानव जीवन का मार्गदर्शक सिद्धांत होना चाहिए, लेकिन राष्ट्र और समाज के लिए खतरा पैदा करने वाले व्यक्तियों से निपटने के लिए बल का प्रयोग आवश्यक हो जाता है। लखनऊ में नौसेना शौर्य वाटिका के उद्घाटन के अवसर पर एक सभा को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि विकास केवल सुरक्षित वातावरण में ही फल-फूल सकता है और उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा और सशस्त्र बलों के प्रति सम्मान के महत्व पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अहिंसा ही मानवता का सच्चा धर्म होना चाहिए। हालांकि, यदि कोई देश और समाज के लिए खतरा बन जाता है, तो अहिंसा काम नहीं कर सकती। ऐसी स्थिति में हिंसा आवश्यक हो जाती है। एक प्रसिद्ध संस्कृत वाक्य का हवाला देते हुए आदित्यनाथ ने कहा, 'अहिंसा परमो धर्मः, धर्म हिंसा तथावै च', जिसका अर्थ है कि अहिंसा सर्वोच्च गुण है, लेकिन सत्य और राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा में बल का प्रयोग भी उतना ही उचित है। उन्होंने कहा कि किसी राष्ट्र की शक्ति ही विश्व में उसकी प्रतिष्ठा निर्धारित करती है।

उन्होंने कहा कि जब हम सुरक्षा के मोर्चे पर मजबूत होंगे, तभी विश्व हमारा मित्र बनेगा। कमजोर के सामने कोई नहीं झुकता। उन्होंने आगे कहा कि यह सिद्धांत देश के शत्रुओं से निपटने के दौरान देश के सशस्त्र बलों की कार्रवाई में परिलक्षित होता है। मुख्यमंत्री ने सुरक्षा को विकास से जोड़ते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश ने पिछले एक दशक में महत्वपूर्ण परिवर्तन देखे हैं। उन्होंने कहा कि विकास योजनाएं केवल सुरक्षित वातावरण में ही प्रभावी ढंग से आगे बढ़ सकती हैं। 2017 से पहले, इसी उत्तर प्रदेश में अक्सर कर्फ्यू लगता था। पेशेवर माफियाओं और अपराधियों ने आम नागरिकों का जीवन मुश्किल बना दिया था। आदित्य ने कहा कि जिस प्रकार सशस्त्र बल हर परिस्थिति में देश की सीमाओं की रक्षा करते हैं, उसी प्रकार नागरिकों का भी यह कर्तव्य है कि वे राष्ट्र की रक्षा करने वाले सैनिकों का सम्मान करें। मुख्यमंत्री लखनऊ में आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे, जहां रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नौसेना शौर्य वाटिका का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक भी उपस्थित थे।

कोई नुकसानदायक तो हिसा...माफियाओं पर बरसे मुख्यमंत्री योगी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि अहिंसा मानव जीवन का मार्गदर्शक सिद्धांत होना चाहिए, लेकिन राष्ट्र और समाज के लिए खतरा पैदा करने वाले व्यक्तियों से निपटने के लिए बल का प्रयोग आवश्यक हो जाता है। लखनऊ में नौसेना शौर्य वाटिका के उद्घाटन के अवसर पर एक सभा को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि विकास केवल सुरक्षित वातावरण में ही फल-फूल सकता है और उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा और सशस्त्र बलों के प्रति सम्मान के महत्व पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अहिंसा ही मानवता का सच्चा धर्म होना चाहिए। हालांकि, यदि कोई देश और समाज के लिए खतरा बन जाता है, तो अहिंसा काम नहीं कर सकती। ऐसी परिस्थितियों में हिंसा आवश्यक हो जाती है। एक प्रसिद्ध संस्कृत वाक्य का हवाला देते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि अहिंसा परमो धर्मः, धर्म हिंसा तथावै च, जिसका अर्थ है कि अहिंसा सर्वोच्च गुण है, लेकिन धर्म और राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा में बल का प्रयोग भी उतना ही उचित है। उन्होंने कहा कि किसी राष्ट्र की शक्ति ही विश्व में उसकी प्रतिष्ठा निर्धारित करती है। उन्होंने कहा कि जब हम सुरक्षा के मोर्चे पर मजबूत होंगे, तभी विश्व हमारा मित्र बनेगा। कमजोर के सामने कोई नहीं झुकता। उन्होंने आगे कहा कि यह सिद्धांत देश के शत्रुओं से निपटने के दौरान देश की सशस्त्र सेनाओं की कार्रवाई में परिलक्षित होता है। मुख्यमंत्री ने सुरक्षा को विकास से जोड़ते हुए कहा कि पिछले एक दशक में उत्तर प्रदेश में महत्वपूर्ण बदलाव आए हैं। उन्होंने कहा कि विकास योजनाएं केवल सुरक्षित वातावरण में ही प्रभावी ढंग से आगे बढ़ सकती हैं। 2017 से पहले, इसी उत्तर प्रदेश में अक्सर कर्फ्यू लगता था। पेशेवर माफियाओं और अपराधियों ने आम नागरिकों का जीवन मुश्किल बना दिया था।

'दावे विश्वगुरु के, लेकिन एक भी परीक्षा ढंग से नहीं करा सकते', अब सीयूईटी को लेकर राहुल गांधी का पीएम पर तंज

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर देश की शिक्षा व्यवस्था को पूरी तरह बर्बाद करने का आरोप लगाया है। उन्होंने शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि विश्वगुरु बनने के बड़े-बड़े दावे करने वाली सरकार एक भी परीक्षा को ठीक से आयोजित कराने में सक्षम नहीं है। राहुल गांधी की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने बताया कि शनिवार को देश भर के स्नातक डिग्री कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित सीयूईटी-यूजी 2026 परीक्षा कुछ केंद्रों पर तकनीकी खराबी के कारण देरी से शुरू हुई। कांग्रेस नेता ने 'एक्स' पर कहा, 'नीट, सीबीएसई, एसएससी और आज सीयूईटी। चार परीक्षाएं। बच्चे। एक भी ईमानदारी से नहीं हो पाई।' उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि देश के अंदर एक भी परीक्षा ढंग से आयोजित नहीं हो पा रही है। वहीं, 'विश्वगुरु' बनने के दावे किए जा रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी ने पूरी शिक्षा व्यवस्था को तबाह कर दिया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता आगे कहा, 'जिस पीढ़ी का भविष्य आप बर्बाद कर रहे हैं, वही पीढ़ी आपका हिसाब करेगी।' कांग्रेस नेता ने शुक्रवार को यह भी कहा था कि सीबीएसई की परीक्षा में हुई गड़बड़ी पर प्रधानमंत्री का मौन और शिक्षा मंत्री के खिलाफ कोई कार्रवाई न होना, यह दर्शाता है कि उन्हें केवल अपनी सरकार बचाने की चिंता है, न कि लाखों छात्रों के भविष्य की। राहुल गांधी ने इससे पहले उन छात्रों के साथ अपनी एक बातचीत का वीडियो भी साझा किया था, जिन्होंने नीट परीक्षा दी थी और पेपर लीक की घटनाओं के मद्देनजर परीक्षा प्रणाली को लेकर अपनी चिंताएं व्यक्त की थीं। उन्होंने कहा था कि नीट छात्रों से मुलाकात में एक बात बिल्कुल साफ हो गई - भारत का युवा नरेंद्र मोदी पर भरोसा नहीं करता। लोकसभा में नेता विपक्ष ने कहा, "उन्होंने मुझे बताया - पेपर वॉट्सएप और टेलीग्राम पर खुलेआम बिक रहे हैं। किस कीमत पर बिक रहे हैं, कौन खरीद रहा है, माफिया कैसे काम कर रहे हैं - यह सब इन बच्चों को पता है। उनका एक ही सवाल था - जो हमें पता है, वो सरकार और संस्थाओं को क्यों नहीं? सच यह है ये बच्चे सरकार से बेहतर जानते हैं कि इस सड़ी हुई व्यवस्था को कैसे ठीक किया जा सकता है।"

'बेहद संतोषजनक और शानदार', सीडीएस जनरल अनिल चौहान का कार्यकाल आज खत्म, तीनों सेनाओं ने दिया गार्ड ऑफ ऑनर

नई दिल्ली, एजेंसी। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ अनिल चौहान ने चार दशकों से भी ज्यादा समय की सैन्य सेवा के बाद औपचारिक रूप से विदाई ले ली है। उन्होंने अपने कार्यकाल को बहुत संतोषजनक और शानदार बताया। इससे पहले दिन में नई दिल्ली के साउथ ब्लॉक के लॉन में उन्हें औपचारिक 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया। यह अवसर देश के सर्वोच्च सैन्य अधिकारी के तौर पर उनके कार्यकाल के समापन का प्रतीक था। गार्ड ऑफ ऑनर के बाद जनरल चौहान नेशनल वॉर मेमोरियल गए, जहां उन्होंने देश की सेवा करते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। समारोह के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए निवर्तमान सीडीएस ने उन्हें दिए गए सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया और सेना में अपने लंबे सफर को याद किया। उन्होंने कहा, 'तीनों सेनाओं के 'गार्ड ऑफ ऑनर' के साथ रिटायर होना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। इसके लिए मैं तीनों सेनाओं और आईडीएस मुख्यालय का धन्यवाद करता हूं। गार्ड ऑफ ऑनर के समापन के साथ मैं वर्दी में अपने साथियों और अपने हमसफरों को हमेशा के लिए विदाई देता हूं।' राष्ट्रीय युद्ध स्मारक की अपनी यात्रा को याद करते हुए उन्होंने कहा कि यह पल उनके लिए व्यक्तिगत रूप से बहुत मायने रखता है, क्योंकि यह वर्दी में देश के शहीद नायकों को उनकी अंतिम श्रद्धांजलि थी।

जनरल चौहान ने आगे कहा, 'मैंने अभी-अभी युद्ध स्मारक पर वर्दी में आखिरी बार पुष्पचक्र अर्पित किया है, उन लोगों को एक विनम्र श्रद्धांजलि के रूप में जिन्होंने कर्तव्य निभाते हुए अपनी जान न्योछावर कर दी। पुष्पचक्र अर्पित करने के बाद मेरे दोस्तों, रिश्तेदारों और शुभचिंतकों ने मेरा स्वागत किया। यह वर्दी से नागरिक जीवन में मेरे बदलाव का प्रतीक है। मेरा कार्यकाल बहुत संतोषजनक और बेहतरीन रहा।'

जनरल चौहान का कार्यकाल समाप्त

विदाई समारोह के साथ ही सीडीएस और सैन्य मामलों के विभाग के सचिव के तौर पर जनरल चौहान का कार्यकाल समाप्त हो गया। इस पद पर उनके कार्यकाल को बढ़ाने की मंजूरी कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने सितंबर 2025 में दी थी, जिससे वह 30 मई 2026 तक सेवा में बने रह सके।

सूर्या हत्याकांड पर गरमाई सियासत : मायावती बोलीं- घटना चिंताजनक, डिप्टी सीएम ने कहा- हत्यारा छोड़ा नहीं जाएगा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गाजियाबाद। गाजियाबाद जिले में ईद पर खोड़ा थाना क्षेत्र की नवनीत विहार कॉलोनी में 11वीं कक्षा के छात्र सूर्या की हत्या मामले में राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। मायावती ने एक्स पर लिखा, 'यूपी के जिला गाजियाबाद में खोड़ा के एक नौजवान युवक सूर्या चौहान की हुई हत्या की घटना अति दुखद व चिंताजनक है। इस प्रकार की आए दिन हो रही घटनाओं की रोकथाम के लिए शासन व प्रशासन को सही कदम उठाने की जरूरत है। साथ ही इस घटना में शामिल अपराधियों की पहचान करके उन्हें कानूनी सजा जरूर दी जाए।

उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, 'हत्यारा कोई भी हो उसे छोड़ा नहीं जाएगा। उसे खोज निकाला जाएगा। हत्या करने वालों को फांसी पर चढ़ाने के लिए जो कार्रवाई होती है वो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सरकार कानून व्यवस्था को लेकर गंभीर है। जिन लोगों ने ऐसा अपराध किया है उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी।'

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले में ईद के त्योहार पर खोड़ा थाना क्षेत्र की नवनीत विहार कॉलोनी में 11वीं कक्षा के छात्र की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। आरोप है कि हमला सूर्या के दोस्त असद और उसके साथियों ने किया। सूर्या को पहले पेट में चाकू मारा गया। इसके बाद वह चाकू लगे हालत में करीब 200 मीटर तक जान बचाने के लिए भागा।

आरोपियों ने पीछा कर उसे गिरा दिया और पेट से चाकू निकालकर दोबारा कई बार वार किए। उपचार के दौरान शुक्रवार को सूर्या ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

मृतक के भाई यश चौहान ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनका परिवार मूलरूप से एटा के सुखवाबाद का रहने वाला है और खोड़ा में मां, बहन और भाई सूर्या के साथ रहता है। पिता कौशलेंद्र का पहले ही निधन हो चुका है। सूर्या 11वीं का छात्र था। बृहस्पतिवार को सूर्या अपने दो दोस्तों विक्की और आयुष के साथ घर के पास घूम रहा था। उसी दौरान असद ने सूर्या को फोन कर बकरीद पर मिलने के लिए गली नंबर दो में बुलाया। सूर्या अपने दोस्तों के साथ असद के घर की ओर चल दिया।

बिहार सरकार के आदेश के बाद भी टस से मस नहीं राबड़ी देवी, बोलीं- वे पुलिस बुला लें, बंगला नहीं छोड़ूंगी

पटना, एजेंसी। आरजेडी नेता और बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने शनिवार को घोषणा की कि बिहार सरकार द्वारा उन्हें परिसर खाली करने का आदेश दिए जाने के बाद, वह पटना के 10 सर्कुलर रोड स्थित अपने सरकारी आवास को नहीं छोड़ेंगी। पत्रकारों को संबोधित करते हुए राबड़ी देवी ने कहा कि वे जगह खाली कराने के लिए पुलिस को बुला सकते हैं, लेकिन मैं जगह खाली नहीं करूंगी। बिहार सरकार ने शुक्रवार को बेदखली का नोटिस जारी किया, जिसमें बताया गया कि बंगला बिहार के पशु एवं मत्स्य संसाधन मंत्री नंद किशोर राम को आवंटित कर दिया गया है।

सरकारी सूचना में यह भी बताया गया कि राबड़ी देवी को बिहार विधान परिषद में विपक्ष की नेता होने के नाते पहले ही वैकल्पिक सरकारी आवास आवंटित किया जा चुका था, लेकिन उन्होंने अभी तक 10 सर्कुलर रोड स्थित आवास खाली नहीं किया है। नोटिस में विस्तार से बताया गया कि 25 नवंबर, 2025 के विभागीय आदेश द्वारा हार्डिंग स्थित मकान संख्या, दूसरी मंजिल, राबड़ी देवी को आवंटित किया गया था। इसके बाद, आधिकारिक अधिसूचना के माध्यम से 10 सर्कुलर रोड स्थित मकान मंत्री नंद किशोर राम को आवंटित किया गया।

इसमें राबड़ी देवी से अनुरोध किया गया कि वे सर्कुलर रोड स्थित बंगले को तुरंत खाली कर दें और विधान परिषद में उनकी भूमिका के लिए निर्धारित आवास में निवास करें। नोटिस में कहा गया है: "यह सूचित किया जाता है कि विभागीय कार्यालय आदेश संख्या 122, दिनांक 25.11.2025 के माध्यम से, हार्डिंग रोड, पटना स्थित क्वार्टर संख्या 39 बिहार विधान परिषद में विपक्ष की नेता के लिए आरक्षित किया गया था और बिहार विधान परिषद में विपक्ष की नेता राबड़ी देवी को आवंटित किया गया था।

अखिलेश का भाजपा पर तंज, बोले- काला चश्मा लगाकर जनता को गुमराह करने वाले, अब जाने वाले

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोपों की लंबी फेहरिस्त गिनाई। अखिलेश ने कानून-व्यवस्था, बुलडोजर कार्रवाई, आरक्षण, पीडीए वर्ग, पत्रकारों, अधिवक्ताओं, शिक्षामित्रों, आशा-आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और किसानों के मुद्दों को उठाते हुए सरकार को जनविरोधी बताया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, 'काला चश्मा लगाकर जनता को गुमराह करने वाले अब जाने वाले हैं, लौटकर नहीं आने वाले हैं।' सपा प्रमुख ने दावा किया कि प्रदेश की जनता बदलाव का मन बना चुकी है और आने वाले चुनावों में भाजपा को जवाब देगी। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कविता के माध्यम से लिखा, 'काला चश्मा लगाकर आने वाले, अपने सच्चे मुकदमे हटवाने वाले। झूठे-फ़ज़ीर् मुक़दमे लगवाने वाले घमंड में रावण तक को हराने वाले। नमस्ते का भी संबंध न निभानेवाले, बुलडोज़र से घर-दुकान ढहाने वाले, बिजली-पानी के लिए सताने वाले, पत्रकार पर अपशब्द बरसाने वाले, 'हाता नहीं भाता' नीति चलाने वाले, वनस्पति-खोज में विदेश जाने वाले, अपना झूठा महाप्रचार करवाने वाले, अधिवक्ताओं पे लाठी चलवाने वाले...।' अपनी कविता का समापन करते हुए सपा प्रमुख ने लिखा, 'अब हैं जाने वाले, लौटकर न आने वाले।' उन्होंने संकेत दिया कि जनता आगामी चुनावों में सत्ता परिवर्तन का फैसला करेगी।

देश में इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाली महिलाओं की संख्या में दोगुना इजाफा, सर्वे में सामने ये आंकड़े

नई दिल्ली, एजेंसी। जहां एक ओर देश की महिलाएं अलग-अलग क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन कर रही हैं, वहीं उनकी डिजिटल पहुंच और आर्थिक स्वतंत्रता में सुधार देखा गया है। छठी राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक, महिलाओं के बीच इंटरनेट के इस्तेमाल में लगभग दोगुने की बढ़त दर्ज की गई है। आकंड़ों के मुताबिक, ये संख्या 2019-21 के 33.3% से बढ़कर 2023-24 में 64.3% हो गई 2019-2021 में NFHS-5 ने रिसर्च में पाया कि 33.3 प्रतिशत भारतीय महिलाओं ने कम से कम एक बार इंटरनेट का इस्तेमाल किया था। ये आंकड़ा बीच के दो वर्षों की अवधि में दोगुना हो गया है, जो महिलाओं के बीच डिजिटल पहुंच में एक बड़ा बदलाव दिखाता है।

बचत खातों की संख्या बढ़ी

आंकड़ों के मुताबिक, जिन महिलाओं के पास बैंकिंग या बचत खाते हैं, उनका प्रतिशत 2019-2021 (NFHS-5) के 78.6 प्रतिशत से बढ़कर 2023-24 (NFHS-6) में 89 प्रतिशत हो गया है, जबकि जिन महिलाओं के पास अपना निजी मोबाइल फोन है, उनका प्रतिशत 2019-2021 के 53.9 प्रतिशत से बढ़कर 2023-24 में 63.6 प्रतिशत हो गया है।

पीरिड्स के प्रति भी बढ़ी जागरुकता

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक, NFHS-6 के आंकड़ों में महिलाओं के डिजिटल समावेश और वित्तीय सशक्तिकरण में लगातार प्रगति दर्ज की गई है। 15-24 आयु वर्ग की महिलाओं में पीरियड्स दौरान साफ-सुथरे तरीकों का इस्तेमाल किया। ऐसी महिलाओं के आंकड़े 2019-2021 के 77.6 प्रतिशत से बढ़कर 2023-24 में 79.12 प्रतिशत हो गए हैं। इसमें 'राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम' के तहत 'मासिक धर्म स्वच्छता योजना' (MHS) जैसी पहलों और 'जनऔषधि योजना' के तहत किफायती सैनिटरी प्रोडक्ट्स की तरफ से बहुत मदद मिली।

सतत विकास के लक्ष्यों की ओर आगे बढ़ रहे

मंत्रालय के मुताबिक, इन नतीजों से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण, महिला सशक्तिकरण और ज़रूरी सेवाओं तक पहुंच में लगातार हो रही प्रगति झलकती है। साथ ही, उभरती चुनौतियां, जैसे कि गैर-संक्रामक रोगों में बढ़ोतरी, जीवनशैली से जुड़े जोखिम और वयस्कों में कुपोषण तथा बढ़ते मोटापे का दोहरा बोझ, निवारक स्वास्थ्य देखभाल, व्यवहार में बदलाव और संतुलित पोषण रणनीतियों पर लगातार ध्यान देने की जरूरत को उजागर करते हैं। कुल मिलाकर, मंत्रालय ने कहा कि ये नतीजे सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) को हासिल करने की दिशा में भारत की लगातार हो रही प्रगति की पुष्टि करते हैं।

विवाह बंधन में बंधे मेरठ और फर्रुखाबाद के जिला पंचायत प्रमुख

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। मेरठ जिला पंचायत अध्यक्ष गौरव चौधरी गुरुवार को फर्रुखाबाद की जिला पंचायत अध्यक्ष मोनिका यादव के साथ विवाह बंधन में बंध गए। दोनों की शादी गुरुवार को परिवार के कुछ सदस्यों और चुनिंदा मित्रों की मौजूदगी में हिमाचल प्रदेश के सोलन में एक रिजोर्ट में संपन्न हुई। दोनों की ही यह दूसरी शादी है। गौरव का जर्मनी में रहने वाली पहली पत्नी से तलाक हो चुका है। वहीं, मोनिका ने भी मुलायम सिंह यादव के भतीजे आजमगढ़ के तत्कालीन सांसद धर्मेन्द्र यादव से तलाक ले लिया था। सोलन में आइटीसी रिजार्ट में दो दिन तक दोनों के विवाह की रस्में संपन्न हुईं। जिनमें गौरव के पिता महकार सिंह, मां रेखा देवी, भाई नितिन, भाभी निहारिका के साथ परिवार के लोग शामिल रहे। जबकि वधु पक्ष से मोनिका के पिता पूर्व मंत्री नरेंद्र सिंह यादव और अन्य संबंधी मौजूद रहे। चुनिंदा मित्रों को ही इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया। शुक्रवार सुबह रिजार्ट से ही वर-वधु की विदाई हुई।

विवाह तक पहुंची मुख्यमंत्री आवास में बैठक में हुई मुलाकात

गौरव चौधरी ने बताया कि वर्ष 2021 में वे जिला पंचायत के चुनाव के समय जर्मनी से लौटे थे। मोनिका से उनकी मुलाकात वर्ष 2023 में मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित जिला पंचायत अध्यक्षों की बैठक में हुई। इसके बाद आइआइएम अहमदाबाद में आयोजित देश के 25 युवा जनप्रतिनिधियों और 25 युवा आइएएस अफसरों के लीडरशिप कार्यक्रम में पांच दिन दोनों साथ रहे। वहीं पर दोनों ने एक दूसरे के बारे में विस्तार से जाना और बात आगे बढ़ी।

दोनों को मिला दूसरा मौका

गौरव और मोनिका दोनों की यह दूसरी शादी है। गौरव जर्मनी में बिजनेस करते थे। उनकी पहली पत्नी वहीं पर है। दोनों की सात साल की बेटी है जो गौरव के साथ रहती है। गौरव ने बताया कि वर्ष 2021 में उनका पहली पत्नी से तलाक हो गया था। वहीं मोनिका सपा सरकार में राज्यमंत्री रहे नरेंद्र सिंह यादव की पुत्री हैं। फरवरी 2005 में उनका विवाह पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के भतीजे आजमगढ़ के तत्कालीन सांसद धर्मेन्द्र यादव से हुआ था। वर्ष 2008 में तलाक हो गया था। जुलाई 2021 में मोनिका भाजपा के समर्थन से फर्रुखाबाद की जिला पंचायत अध्यक्ष चुनी गई थीं।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर बड़ा हादसा टला, ट्रैक्टर लदा ट्रेलर पलटा, चालक-खलासी सुरक्षित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। शनिवार दोपहर पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। पंजाब से असम के गुवाहाटी जा रहा ट्रैक्टरों से लदा एक भारी ट्रेलर अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराने के बाद पलट गया। हादसा इतना भीषण था कि ट्रेलर सड़क से नीचे उतर गया और उसमें लदे कई ट्रैक्टर क्षतिग्रस्त हो गए। हालांकि राहत की बात यह रही कि चालक और खलासी बाल-बाल बच गए और उन्हें केवल मामूली चोटें आईं। जानकारी के अनुसार यह दुर्घटना हलियापुर थाना क्षेत्र में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के पैकेज-03 पर किलोमीटर संख्या 80.200 के पास दोपहर करीब 12.50 बजे हुई। ट्रेलर पंजाब से ट्रैक्टर लेकर असम के गुवाहाटी की ओर जा रहा था। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार के दौरान चालक को अचानक नींद की झपकी आ गई, जिससे वह वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। इसके बाद ट्रेलर सीधे डिवाइडर से टकराया और पलट गया। हादसे की सूचना मिलते ही यूपीडा की रेस्क्यू टीम और एम्बुलेंस महज पांच मिनट के भीतर दोपहर 1 बजे मौके पर पहुंच गई। टीम ने तत्परता दिखाते हुए वाहन में फंसे चालक कन्हैया पुत्र मुन्नू लाल निवासी ददिया थाना टटिया जनपद फर्रुखाबाद तथा उनके साथी सौरव पुत्र दुर्ग नारायण को सुरक्षित बाहर निकाला। घटना में दोनों को गंभीर चोटें नहीं आईं। यूपीडा की सेफ्टी टीम, एएसओ राम चंद्र वर्मा और एम्बुलेंस स्टाफ ने घायलों को तुरंत नजदीकी सीएचसी पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत सामान्य बताई गई।

दीवार गिरने से मजदूर की मौत, परिवार में मचा कोहराम

आर्यावर्त संवाददाता

बल्दीराय/सुलतानपुर। थाना क्षेत्र बल्दीराय के नटौली गांव में शनिवार दोपहर एक दर्दनाक हादसे में दिहाड़ी मजदूर की मौत हो गई। कच्ची दीवार गिराने के दौरान अचानक दीवार भरभराकर मजदूर के ऊपर गिर गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नटौली निवासी रामजग (40 वर्ष) पुत्र रामबली गांव के ही वसीम के घर पर मजदूरी कर कच्ची दीवार गिराने का कार्य कर रहा था। इसी दौरान अचानक दीवार ढह गई और रामजग उसके नीचे दब गया। घटना के बाद मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने तत्काल उसे बाहर निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बल्दीराय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही बल्दीराय पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस ने पंचनामा भरने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थानाध्यक्ष बल्दीराय महेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। मजदूर की असामयिक मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है तथा गांव में शोक का माहौल व्याप्त है।

सीयूईटी परीक्षा रद्द, भीषण गर्मी में घंटों इंतजार के बाद भड़के छात्र, एनटीए के खिलाफ नारेबाजी

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। नोएडा सेक्टर-64 स्थित आदर्श परीक्षा केंद्र में शनिवार को आयोजित सीयूईटी (कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट) परीक्षा छात्रों और अभिभावकों के लिए भारी परेशानी का कारण बन गई। सुबह से परीक्षा देने पहुंचे सैकड़ों अभ्यर्थियों को घंटों इंतजार करना पड़ा, लेकिन तकनीकी खामी के चलते परीक्षा शुरू ही नहीं हो सकी। आखिरकार परीक्षा रद्द होने की घोषणा के बाद छात्रों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने केंद्र के बाहर धरना-प्रदर्शन करते हुए एनटीए (नेशनल टेस्टिंग एजेंसी) के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

छात्रों का आरोप है कि वे सुबह नौ बजे की परीक्षा के लिए समय से केंद्र पहुंच गए थे। लंबी कतारों में खड़े रहने के बाद जब उन्हें परीक्षा

कक्ष में प्रवेश मिला तो वहां भी अव्यवस्थाओं का सामना करना पड़ा। अभ्यर्थियों के अनुसार परीक्षा शुरू होने का इंतजार करते हुए उन्हें एक से दो घंटे तक कक्ष में बैठाए रखा गया, जबकि कई कमरों में पंखे तक नहीं चल रहे थे। भीषण गर्मी के बीच छात्र लगातार परीक्षा शुरू होने का इंतजार करते रहे, लेकिन अंत में परीक्षा रद्द कर दी गई।

प्रदर्शन में शामिल अनुज ने बताया कि उनके भाई की परीक्षा सुबह नौ बजे से थी। वह सुबह 6:30 बजे उन्हें केंद्र छोड़कर घर लौट गए थे और दस बजे लेने पहुंचे। लेकिन तब तक कोई भी छात्र बाहर नहीं आया था। अंदर से लगातार घोषणा की जा रही थी कि तकनीकी कारणों से परीक्षा शुरू नहीं हो पा रही है। अनुज के मुताबिक, एक छात्र ने बाहर आकर बताया कि दो घंटे से अधिक समय बीत जाने के बावजूद परीक्षा शुरू नहीं हुई और छात्रों को बाहर निकलने की भी अनुमति नहीं दी जा रही थी।

अभ्यर्थियों का कहना है कि वे कई महीनों से इस परीक्षा की तैयारी कर रहे थे। 12वीं के बाद देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में प्रवेश के लिए आयोजित होने वाली इस परीक्षा के रद्द होने से उनके भविष्य को लेकर चिंता बढ़ गई है। छात्रों और अभिभावकों ने परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता और जिम्मेदारी तय करने की मांग की है।

केंद्र के बाहर देर तक विरोध-प्रदर्शन चलता रहा। परीक्षा रद्द होने से निराश छात्र और अभिभावक व्यवस्था पर सवाल उठाते नजर आए। उनका कहना था कि यदि तकनीकी व्यवस्थाएं दुरुस्त नहीं थीं तो परीक्षा आयोजित करने से पहले इसकी जांच की जानी चाहिए थी, ताकि छात्रों को इस तरह की परेशानी का सामना न करना पड़ता।

मुस्कान की निर्मम हत्या, प्रेमी निकला कातिल, श्मशान में इस हाल में मिली थी युवती की लाश, सामने आई वजह

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। मेरठ के परतापुर थाना क्षेत्र के पुठा रोड स्थित श्मशान घाट में बुधवार देर रात ब्रह्मपुरी की खत्ता रोड निवासी मुस्कान (25) की हत्या उसके प्रेमी टीपीनगर के शिवपुरम निवासी रजनीश कुमार ने की थी। शुक्रवार को पुलिस ने मुख्य आरोपी रजनीश कुमार को पकड़ कर वारदात का खुलासा कर दिया।

महिला उसे काफी समय से ब्लैकमेल कर रही थी। महिला आरोपी को झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देती थी। इसके चलते वह पूर्व में कई बार आरोपी से पैसे ऐंठ चुकी थी। महिला की हरकतों से परेशान होकर आरोपी ने घटना को अंजाम दिया। घटना से पहले प्रेमी व महिला ने शिवपुरम निवासी राहुल के मकान में बैठकर शराब पी थी।

शराब पीकर प्रेमी जोड़े के बीच विवाद हो गया था। इसके बाद आरोपी महिला को मोपेड से लेकर श्मशान घाट लेकर पहुंचा था। वहां उसकी गला घोटकर हत्या कर दी। वारदात करने के बाद आरोपी घर आकर आराम से सो गया था। मृतका के पिता मुहम्मद इनशुल की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी पर हत्या की प्राथमिकी दर्ज की। सीओ ब्रह्मपुरी सौम्या अस्थाना ने बताया कि ब्रह्मपुरी थाना क्षेत्र के खत्ता रोड निवासी अब्दुल वाहिद मूल रूप से बिहार के दरभंगा का रहने वाला है। काफी समय से ब्रह्मपुरी में किराए के मकान पर रहा है। अब्दुल की शादी चार वर्ष पूर्व मुस्कान के साथ हुई थी। आरोपी प्रेमी रजनीश टेंपो चालक है।

एक वर्ष पूर्व टेंपो चलाने के दौरान आरोपी व मुस्कान की मुलाकात हुई थी। दोनों के बीच बातचीत शुरू हो गई थी। दोनों में गहरी दोस्ती हो गई थी। एक महीने पहले रजनीश की पत्नी को इनके बारे में जानकारी हो गई थी। दंपती में अक्सर महिला को लेकर विवाद रहने लगा था।

पुलिस के अनुसार, बुधवार को मुस्कान ने फोन कर आरोपी प्रेमी रजनीश को मिलने के लिए बुलाया था। इसके बाद दोनों ने राहुल के घर पर बैठकर शराब पी थी। शराब पीने के दौरान प्रेमी ने महिला के साथ मारपीट कर दी थी।

इसके बाद दोनों मोपेड पर बैठकर चल गए थे। दोनों ने बीच रास्ते में शराब का एक पव्वा खरीदा था। शराब खरीदने के बाद दोनों श्मशान घाट पहुंचे थे। वहां रजनीश और मुस्कान ने पुठा श्मशान घाट में बैठकर भी शराब पी थी। यहां दोनों के बीच दोबारा से विवाद हो गया था। आरोपी ने दुपट्टे से गला घोटकर उसकी हत्या कर दी थी।

घटना के आधे घंटे बाद तक आरोपी शव के पास बैठा रहा था। इसके बाद आरोपी उसके मोबाइल से सिम निकालकर घर चला गया था। आरोपी पर हत्या समेत 12 प्राथमिकी दर्ज है। सीओ का कहना है कि आरोपी पुलिस की हिरासत में है। शनिवार को आरोपी को न्यायालय में पेश किया जाएगा।

यह हुई थी घटना

परतापुर थाना क्षेत्र के पुठा रोड स्थित श्मशान घाट के अंदर बृहस्पतिवार सुबह महिला का शव पड़ा मिला था। ग्रामीणों ने शव देखकर पुलिस को मामले की जानकारी दी थी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। महिला के गले पर दुपट्टे के निशान थे। फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर घटना से संबंधित साक्ष्य जुटाए थे। सर्विलांस की टीम ने महिला के मोबाइल को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी थी। दो घंटे बाद महिला की पहचान मुस्कान के रूप में हुई थी। पुलिस ने महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था।

अनुसूचित जाति उप-योजना के तहत 300 किसानों को मिली कृषि सामग्री

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। कृषि विज्ञान केंद्र में शनिवार को अनुसूचित जाति उप-योजना के अंतर्गत 300 किसानों को कृषि सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को आधुनिक खेती से जोड़कर उनकी आय में वृद्धि करना है।

किसानों को स्प्रेयर मशीन, 60 मीटर का लपेटा पाइप तथा 40 किलोग्राम बासमती धान के बीज उपलब्ध कराए गए। यह वितरण जिला प्रशासन और कृषि विभाग के सहयोग से किया गया। कृषि विज्ञान केंद्र के मुख्य कृषि वैज्ञानिक डॉ. जे.बी. सिंह ने बताया कि यह योजना भारत सरकार की अनुसूचित जाति उप-योजना का हिस्सा है, जिसका लक्ष्य अनुसूचित जाति के किसानों का सामाजिक और आर्थिक उत्थान करना है। उन्होंने कहा कि किसानों को आधुनिक कृषि उपकरण और उन्नत बीज देकर खेती को अधिक लाभदायक और वैज्ञानिक बनाया जा रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि सामग्री गन्ना अनुसंधान केंद्र के माध्यम से उपलब्ध कराई गई है। चयनित किसानों का चयन दो वर्ष पहले किया गया था, ताकि उन्हें योजनाबद्ध तरीके से आधुनिक खेती से जोड़ा जा सके। कार्यक्रम के दौरान किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी भी दी गई। कृषि विशेषज्ञों ने वैज्ञानिक विधियों को अपनाकर उत्पादन बढ़ाने और लागत कम करने के उपाय बताए। इस अवसर पर पशु चिकित्सा वैज्ञानिक डॉ. दिवाकर कुमार, कृषि वैज्ञानिक डॉ. सी.के. त्रिपाठी और डॉ. अतुल सिंह सहित कृषि विज्ञान केंद्र के कर्मचारी और बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

जमीन विवाद को लेकर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष और पड़ोसियों में मारपीट, कई घायल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। सै रहमान समेत कई लोग जमीन विवाद में हुई मारपीट में घायल हो गए। घटना कोतवाली नगर क्षेत्र के जमाल गेट खैराबाद इलाके की बताई जा रही है। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष के पुत्र अधिवक्ता सैयद मोहम्मद अफ़्फ़ान ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया है कि शनिवार दोपहर करीब 12.30 बजे वह कचहरी जा रहे थे। इसी दौरान उन्होंने अपने घर के पास कुछ लोगों को दीवार गिराते हुए देखा। विरोध करने पर आरोप है कि रशीद अहमद, निसार अहमद उर्फ आसिफ, इकबाल अहमद उर्फ गुड्डू तथा चार अन्य अज्ञात लोगों ने उन्हें घेर लिया और मारपीट की। तहरीर के अनुसार शोर सुनकर जब सै रहमान अपने पुत्र को बचाने पहुंचे तो आरोपितों ने उनके साथ भी लाठी-डंडों और लात-घूंसों से मारपीट की। घटना में पिता-पुत्र समेत कई लोगों को चोटें आई हैं। पीड़ति पक्ष ने आरोपितों को दबंग और आपराधिक प्रवृत्ति का बताते हुए कोतवाली नगर थाने में प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। वहीं दूसरे पक्ष से इकबाल अहमद पुत्र रशीद अहमद ने अपनी शिकायत में बताया कि उनके पुस्तैनी मकान के आगे बनी बाउंड्रीवॉल को शनिवार को मोहल्ले के सैयद रहमान उर्फ मानू, सैयद अफ्फान, सदफ मोहम्मद उर्फ पिन्नू, गुफरान तथा जिलदार हुसैन समेत पांच-छह अज्ञात लोगों ने अचानक ढहा दिया। इकबाल अहमद के अनुसार जब उन्होंने और उनके भाई निसार अहमद ने इसका विरोध किया तो आरोपी आक्रोशित हो गए और दोनों भाइयों को मारने के लिए दौड़ा लिया। जान बचाने के लिए दोनों भाई घर में घुस गए, लेकिन आरोपियों ने जबरन दरवाजा तोड़कर घर में प्रवेश कर लिया। आरोप है कि घर में घुसने के बाद इकबाल अहमद का गला दबाकर उन्हें जान से मारने की कोशिश की गई। पीड़ति पक्ष का यह भी आरोप है कि बीच-बचाव करने आईं परिवार की महिलाओं फातिमा पत्नी निसार अहमद, यासमीन अख्तर तथा इसरत बानो के साथ भी मारपीट की गई। इस दौरान एक मोबाइल फोन छीनकर फेंक दिया गया, जिससे वह क्षतिग्रस्त हो गया। धक्का-मुक्की में महिलाओं को चोटें भी आई हैं। इकबाल अहमद ने पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

बहू पर सास की हत्या का आरोप, आरोपी बहू गिरफ्तार

सुल्तानपुर। धम्मौर थाना क्षेत्र के राजापुर गांव में सास की हत्या के मामले में पुलिस ने वांछित बहू को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है। पुलिस के अनुसार मृतका की बेटी की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार वादिनी ने आरोप लगाया था कि उसकी मां कुसुमा (55 वर्ष) पत्नी स्वर्गीय राम मिलन निवासी राजापुर थाना धम्मौर के साथ उसकी बहू ने 27 मई 2026 को मारपीट की थी, जिससे गंभीर चोटें आईं और उनकी मृत्यु हो गई। मामले में थाना धम्मौर पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया। शनिवार को धम्मौर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए वांछित महिला अभियुक्ता को निगोलिया तिराहे के पास से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी महिला को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से आगे की विधिक कार्रवाई की गई।

उन्नाव में कब्र से निकाली गई 'कायनात' की लाश, हाईकोर्ट ने दिया था आदेश, नई पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

आर्यावर्त संवाददाता

उन्नाव। उत्तर प्रदेश के उन्नाव में शादीशुदा महिला कायनात की डेथ मिस्ट्री में अब नया मोड़ आया है। 15 मई को संदिग्ध हालात में महिला की लाश मिली थी। मृतका के शरीर पर मिले चोट के निशानों और ससुराल पक्ष की संदिग्ध भूमिका को देखते हुए हाईकोर्ट के आदेश पर शुक्रवार को कायनात का शव कब्र से बाहर निकालकर दोबारा पोस्टमार्टम कराया गया। प्रशासन और भारी पुलिस बल की मौजूदगी में पूरी प्रक्रिया पूरी की गई। पोस्टमार्टम के बाद शव को फिर से सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया। अब पीड़ित परिवार को नई पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है, जिससे मौत की असली वजह सामने आने की उम्मीद जताई जा रही है।

परिजनों के मुताबिक, कानपुर के चकेरी थाना क्षेत्र के नेहुरा निवासी रफीक ने अपनी बेटी कायनात का निकाह 7 दिसंबर 2024 को उन्नाव के बांगरमऊ निवासी शींबू अंसारी के साथ किया था। परिवार का आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद से ही ससुराल पक्ष द्वारा कायनात को प्रताड़ित किया जाने लगा था। 15 मई को अचानक शींबू के बड़े भाई बीनू का फोन आया, जिसमें बताया गया कि कायनात की तबीयत बेहद खराब है। सूचना मिलते ही जब मायके वाले उन्नाव स्थित ससुराल पहुंचे तो वहां का दृश्य देखकर सभी सन्न रह गए। परिवार का आरोप है कि उस समय कायनात की मौत हो चुकी थी और उसका शव डीप फ्रीजर में रखा हुआ था। घर में केवल एक महिला मौजूद थी, जबकि पति शींबू समेत परिवार के बाकी सदस्य फरार थे। इस घटना के बाद परिजनों ने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए और हत्या की आशंका जताई।

घटना के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया था। शुरुआती रिपोर्ट में मौत का कारण फांसी लगाना बताया गया। इसके बाद शव को कानपुर के बेगमपुरवा बगाही ईदगाह कब्रिस्तान में दफना दिया गया। हालांकि, अंतिम संस्कार से पहले जब महिलाओं ने गुस्ल की रस्म के दौरान शव को देखा, तो उसके शरीर पर कई चोटों के निशान दिखाई दिए। इसके बाद परिवार ने पहली पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर सवाल उठाए और मामले में निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए हाईकोर्ट का रुख किया।

दोबारा पोस्टमार्टम कराने के आदेश

मामले की गंभीरता को देखते हुए हाईकोर्ट ने शव को कब्र से निकालकर दोबारा पोस्टमार्टम कराने के आदेश दिए। आदेश के पालन में उन्नाव प्रशासन, एसडीएम और पुलिस टीम कानपुर पहुंची। मजिस्ट्रेट की निगरानी में कब्र से शव निकालकर दोबारा पोस्टमार्टम के लिए उन्नाव भेजा गया। प्रक्रिया पूरी होने के बाद देर शाम शव को वापस उसी कब्रिस्तान में दफना दिया गया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि नई पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, मृतका के परिजन न्याय की मांग पर अड़े हुए हैं और उन्हें उम्मीद है कि दूसरी पोस्टमार्टम रिपोर्ट से कायनात की मौत का सच सामने आएगा।

हिंदी पत्रकारिता दिवस पर वरिष्ठ पत्रकार शशिधर द्विवेदी सम्मानित

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। हिन्दी पत्रकारिता दिवस की 200वीं वर्षगांठ पर शनिवार को उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान के निराला सभागार में अखिल भारतीय हिन्दी पत्रकार संघ एवं रंग भारती के तत्वावधान में विशेष समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार शशिधर द्विवेदी समेत कई प्रमुख पत्रकारों को सम्मानित भी किया। इस मौके पर राष्ट्र भाषा के प्रति समर्पित न्यायमूर्ति डॉ. शेखर कुमार यादव को विशेष तौर पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के आयोजक अखिल भारतीय हिन्दी पत्रकार संघ के अध्यक्ष श्याम कुमार ने आयोजन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला और हिन्दी पत्रकारिता के भविष्य की चिंताओं पर भी अपनी बात रखी। इस अवसर पर 'बाबूराव विष्णु पराड़कर रंगभारती सम्मान' डॉ. अमिता दुबे को, 'लक्ष्मीनारायण गर्दे रंगभारती सम्मान' रवींद्र कुमार सिंह एवं मदन मोहन बहुगुणा को, रामकृष्ण खाडिलकर रंगभारती सम्मान' नरेंद्र श्रीवास्तव एवं हेमेंद्र प्रताप सिंह तोमर को, 'सच्चिदानंद वात्स्यायन अज्ञेय रंगभारती सम्मान' राजेश राय एवं चंद्रभान यादव को, 'गणेशशंकर विद्यार्थी रंगभारती सम्मान' अजीत बिसारिया एवं मनोज छवड़ा को, 'डॉ. धर्मवीर भारती रंगभारती सम्मान' डॉ. सुरेंद्र सिंह चैहान एवं गोविंत पंत राजू को, 'शंकरदयालु श्रीवास्तव रंगभारती सम्मान' शशिधर द्विवेदी को, 'हेरम्ब मिश्र रंगभारती सम्मान' नवेद शिकोह एवं आलोक राजा को, 'कृष्णबिहारी श्रीवास्तव रंगभारती सम्मान' डॉ. मुहम्मद कामरान को प्रदान किया गया।

'नौसेना शौर्य वाटिका' का लोकार्पण, राजनाथ सिंह ने सीएम की तारीफ की, बोले- अच्छे से प्रदेश को संभाला

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊ में 'नौसेना शौर्य वाटिका' का आज भव्य लोकार्पण हुआ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और सीएम योगी इस परियोजना का उद्घाटन किया। भारतीय नौसेना के शौर्य, पराक्रम और तकनीकी क्षमता को समर्पित यह वाटिका सीजी सिटी में विकसित की गई है। यहां स्थापित रिटायर्ड युद्धपोत INS गोमती पर्यटकों के लिए मुख्य आकर्षण होगा। यह वाटिका इकाना क्रिकेट स्टेडियम के गेट नंबर-5 के पास विकसित की गई है। लगभग ₹19 करोड़ की लागत से 2 एकड़ से अधिक क्षेत्र में तैयार यह वाटिका भारतीय नौसेना के शौर्य, पराक्रम और आधुनिक तकनीकी क्षमता को समर्पित की गई है। वाटिका का सबसे बड़ा आकर्षण भारतीय नौसेना का सेवानिवृत्त युद्धपोत INS गोमती है। यह युद्धपोत 28 मई 2022 को नौसेना सेवा से सेवानिवृत्त हुआ था।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, लखनऊ अब देश की विरासत, परंपरा और गौरव का एक स्थान बन गया है, जहां आने वाला कोई भी व्यक्ति इन सबको एक जगह देख सकता है। आकाश की ऊंचाइयों को छूने के लिए विराट सोच चाहिए। सुरक्षा का मजबूत माहौल ही विकास की गारंटी है।

2017 से पहले यूपी में पेशेवर माफिया विकास में रोड़ा बनते थे। देश के लिए खतरा पैदा करने वाले के साथ अहिंसा नहीं, उसी भाषा में जवाब देना होगा, जिसके लिए भारतीय सेना निरंतर कार्यरत है। उन्होंने सेना से जुड़े किसी भी प्रस्ताव को तुरंत स्वीकार करने का आश्वासन भी दिया।

ब्रजेश पाठक बोले- अंग्रेजों को मौत के घाट उतार दिया

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा, यूपी की राजधानी लखनऊ हमेशा शौर्य का केंद्र है। यहां के लोगों ने 1857 की क्रांति में लोहा लिया और अंग्रेजों को मौत के घाट उतार दिया। लखनऊ में ट्रेन एक्शन, कारगिल शहीद और अन्य वीरों की यात्रा लखनऊ की धरती को महान बनाई।

केशव मौर्य बोले-कुंभ मेले के दौरान नौसेना की प्रदर्शनी लगाई जाए

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा- प्रयागराज में कुंभ-महाकुंभ मेले के दौरान पूरे देश ही नहीं, विश्व के लोग आते हैं। उस दौरान वहां पर नौसेना की प्रदर्शनी लगाई जाए। इससे लोग हमारी नौसेना की शक्ति को नजदीक से जान सकेंगे। हमारे ब्रह्मोस की शक्ति का पता पाकिस्तान वालों को चल चुका है। हमने ऑपरेशन सिंदूर में उनके यहां ब्रह्मोस भेज दिया था।

रक्षामंत्री बोले- यूपी वन डिस्ट्रिक्ट, वन माफिया के लिए जाना जाता था

राजनाथ सिंह ने कहा, यूपी वन डिस्ट्रिक्ट, वन माफिया के नाम से जाना जाता था। अब यूपी बदल चुका है। सीएम योगी की कोई सानी नहीं। उन्होंने यहां के बिगड़े हुए लॉ एंड ऑर्डर को जिस तरह से संभाला, वह काबिले तारीफ है। सीएम योगी ने यूपी की छवि को वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट के रूप में पेश की। पहले यहां आने से इन्वेस्टर्स डरते थे।

वृहद वृक्षारोपण अभियान को जनआंदोलन बनाने का आह्वान, ग्रामीण विकास विभाग को 11 .25 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने वित्तीय वर्ष 2026-27 में संचालित होने वाले वृहद वृक्षारोपण अभियान को जनभागीदारी से जोड़ते हुए इसे जनआंदोलन का स्वरूप देने का आह्वान किया है। उन्होंने ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अभियान को पूरी प्रतिबद्धता, योजनाबद्ध रणनीति और व्यापक जनसहयोग के साथ संचालित किया जाए।केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि गत वर्ष ग्रामीण विकास विभाग ने वृक्षारोपण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की थीं तथा अधिकांश जनपदों ने निर्धारित लक्ष्य से अधिक पौधरोपण कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस वर्ष भी विभाग निर्धारित लक्ष्य से अधिक गुणवत्तापूर्ण वृक्षारोपण कर नया कीर्तिमान स्थापित करेगा।उप मुख्यमंत्री ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में ग्रामीण विकास विभाग को 11.25 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य दिया गया है। इस लक्ष्य को समयबद्ध और प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए सभी जनपदों में अभी से आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने प्रत्येक ग्राम पंचायत में वृक्षारोपण के लिए सूक्ष्म कार्ययोजना तैयार करने तथा ग्रामीणों के बीच पर्यावरण संरक्षण और हरित विकास के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए व्यापक स्तर पर गोष्ठियों और जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित करने को कहा। उन्होंने "वृक्षमाला नदी तट संरक्षण अभियान" को विशेष प्राथमिकता देते हुए नदियों के किनारे बांस रोपण को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना एवं अन्य आवासीय योजनाओं के लाभार्थियों से दो-दो सहजन (मोरिंगा) के पौधे अनिवार्य रूप से लगवाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि केवल पौधे लगाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी सुरक्षा और जीवितता सुनिश्चित करना उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है। इसके लिए बायोफेंसिंग, सुरक्षा खाई निर्माण तथा नियमित देखभाल की प्रभावी व्यवस्था किए जाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि पौधों को पशुओं और अन्य कारणों से होने वाली क्षति से बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण स्थलों का चयन और गड्ढों की खुदाई समय से पूरी कर ली जाए, जिससे पौधों की जीवित रहने की दर बेहतर बनी रहे।उन्होंने मनरेगा के अंतर्गत कराए जाने वाले वृक्षारोपण कार्यों में निर्धारित मानकों के अनुरूप रखरखाव और अनुरक्षण व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा क्षमता पुस्तिका के प्रावधानों का अक्षरशः पालन करने पर बल दिया।उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि पिछले वर्षों में सामुदायिक एवं व्यक्तिगत भूमि पर किए गए वृक्षारोपण की समीक्षा की जाए। जहां पौधों की क्षति अधिक पाई गई हो, वहां जिम्मेदारी तय करते हुए सूखे और नष्ट पौधों का तत्काल प्रतिस्थापन कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि पौधों की खरीद किसी भी परिस्थिति में निजी नर्सरियों से न की जाए तथा पौधों की उपलब्धता वन विभाग के माध्यम से ही सुनिश्चित की जाए।उन्होंने कहा कि कुल वृक्षारोपण में कम से कम 20 प्रतिशत फलदार पौधों को शामिल किया जाए तथा पर्याप्त संख्या में सहजन (मोरिंगा) के पौधे लगाए जाएं, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ पोषण सुरक्षा, आय संवर्धन और ग्रामीण आजीविका को भी बल मिल सके।केशव प्रसाद मौर्य ने घोषणा की कि लक्ष्य से अधिक एवं गुणवत्तापूर्ण वृक्षारोपण करने वाले तीन सर्वश्रेष्ठ जनपदों को सम्मानित किया जाएगा।

1 जून से शुरू होगी हज यात्रियों की वापसी, 17 जून तक लखनऊ पहुंचेगी उड़ानें

लखनऊ। हज-2026 के लिए गए हज यात्रियों की वापसी एक जून से शुरू होकर 17 जून 2026 तक जारी रहेगी। लखनऊ उड़ान स्थल पर पहली वापसी उड़ान एक जून की रात्रि 10:15 बजे पहुंचने की संभावना है। इसके बाद विभिन्न उड़ानों के माध्यम से हज यात्रियों की वापसी क्रमवार जारी रहेगी। प्रशासन की ओर से हज यात्रियों को लेने आने वाले परिजनों और परिचितों से अपील की गई है कि वर्तमान में चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर निर्माण कार्य चल रहा है, जिसके कारण वहां सीमित स्थान उपलब्ध है। ऐसे में यात्रियों को रिसीव करने के लिए कम से कम लोग ही हवाई अड्डे पहुंचें, ताकि अनावश्यक भीड़ और यातायात दबाव से बचा जा सके।अधिकारियों ने यह भी अनुरोध किया है कि पार्किंग स्थल सीमित होने के कारण वाहन लेकर आने वाले लोग उड़ान पहुंचने के निर्धारित समय से लगभग आधा घंटा पहले ही हवाई अड्डे पहुंचें।

रोबोटिक तकनीक से टॉन्सिल कैंसर का सफल उपचार, मैक्स अस्पताल लखनऊ में बिना बाहरी कट हुई सर्जरी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। कैंसर उपचार में आधुनिक तकनीक के बढ़ते उपयोग का एक महत्वपूर्ण उदाहरण सामने आया है। लखनऊ स्थित मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में स्टेज-2 टॉन्सिल कैंसर से पीड़ित 35 वर्षीय मरीज का ट्रांस ओरल रोबोटिक सर्जरी (टीओआरएस) के माध्यम से सफल उपचार किया गया। अत्याधुनिक रोबोटिक प्रक्रिया के जरिए बिना किसी बाहरी कट, बिना दिखाई देने वाले निशान और कम रिकवरी समय में ट्यूमर को सटीक तरीके से हटाया गया।बहराइच निवासी शकील अहमद पिछले कई सप्ताह से लगातार गले में दर्द और निगलने में परेशानी से जूझ रहे थे। शुरुआत में उन्होंने इसे सामान्य संक्रमण समझकर अनदेखा किया, लेकिन समस्या बढ़ने और दैनिक कार्यों के साथ खानपान में बाधा उत्पन्न होने पर उन्होंने चिकित्सकीय परामर्श लिया।मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ में विस्तृत जांच और चिकित्सकीय मूल्यांकन के बाद शकील अहमद को स्टेज-2 टॉन्सिल कैंसर होने की पुष्टि हुई। चिकित्सकों के अनुसार टॉन्सिल कैंसर, हेड एंड नेक कैंसर का एक प्रकार है, जिसका समय पर उपचार न होने पर बोलने, निगलने और जीवन की गुणवत्ता पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।मरीज का उपचार सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग के निदेशक डॉ. कमलेश वर्मा और उनकी बहु-विषयक कैंसर विशेषज्ञ टीम की देखरेख में किया गया। ट्यूमर की स्थिति और कैंसर की अवस्था को देखते हुए विशेषज्ञों ने अत्याधुनिक दा विंची सर्जिकल सिस्टम की सहायता से ट्रांस ओरल रोबोटिक सर्जरी करने का निर्णय लिया। इस प्रक्रिया के तहत गर्दन के लिम्फ नोड्स को छोटे चीरे के माध्यम से हटाया गया, जबकि टॉन्सिल ट्यूमर को रोबोटिक तकनीक से निकाला गया। इससे शरीर पर बहुत कम निशान रहे और मरीज की रिकवरी अपेक्षाकृत तेज रही।

अवैध खनन और ओवरलोडिंग पर सख्ती, 7,339 वाहनों पर कार्रवाई कर 33 .71 करोड़ का अर्थदंड

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश में उपखनिजों के अवैध खनन, अवैध परिवहन तथा ओवरलोडिंग पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए भू-तत्व एवं खनिकर्म विभाग द्वारा व्यापक स्तर पर प्रवर्तन अभियान चलाया जा रहा है। विभाग की ओर से अप्रैल 2026 से प्रदेशभर में लगातार सघन जांच अभियान संचालित किया जा रहा है।भू-तत्व एवं खनिकर्म विभाग की सचिव एवं निदेशक माला श्रीवास्तव के निर्देश पर जनपद और निदेशालय स्तर से चलाए जा रहे इस अभियान के तहत विभिन्न जिलों में खनिज परिवहन करने वाले वाहनों की गहन जांच की गई। जांच के दौरान अधिकांश वाहन वैध परिवहन प्रपत्रों के साथ खनिजों का परिवहन करते पाए गए, जबकि जिन वाहनों में अवैध परिवहन अथवा ओवरलोडिंग की पुष्टि हुई, उनके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की गई।विभागीय आंकड़ों के अनुसार अब तक कुल 7,339 वाहनों पर कार्रवाई करते हुए 33 करोड़ 71 लाख रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया गया है। इनमें से 28 करोड़ 31 लाख रुपये की धनराशि संबंधित पक्षों से जमा भी कराई जा चुकी है।अभियान की समीक्षा करते हुए सचिव एवं निदेशक माला श्रीवास्तव ने अंतरराज्यीय सीमावर्ती जिलों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अन्य राज्यों से आने वाले उपखनिजों का परिवहन केवल वैध अंतरराज्यीय ट्रांजिट पास (आईएसटीपी) के माध्यम से सुनिश्चित कराया जाए तथा किसी भी स्थिति में ओवरलोडिंग न होने दी जाए।उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि जनपदों में संचालित खनन क्षेत्रों के स्रोत बिंदुओं पर निर्धारित लोडिंग मानकों का कड़ाई से पालन कराया जाए।

मलिहाबाद रोड पर सड़क हादसा, बाइक सवार युवक की मौत

लखनऊ। मलिहाबाद रोड स्थित नबीपनाह क्षेत्र में शनिवार को हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। बाइक और ईको कार के बीच हुई टक्कर में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसे अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

पुलिस के अनुसार डेल्टा कंट्रोल के माध्यम से सड़क दुर्घटना की सूचना मिलने पर मलिहाबाद थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। प्रारम्भिक जांच में पता चला कि बाइक संख्या यूपी32आरडी0428 और ईको कार संख्या यूपी32एनटी5543 के बीच टक्कर हुई थी। हादसे में बाइक सवार संजीत पुत्र मुन्नीलाल मौर्य निवासी बेलबिरवा, थाना माल, जनपद लखनऊ गंभीर रूप से घायल हो गया। उसकी उम्र लगभग 19 वर्ष बताई गई है। पुलिस के अनुसार युवक दुर्घटना के बाद वाहन के अगले हिस्से में फंसा हुआ था।

फर्जी दस्तावेजों से पैतृक भूमि हड़पने के षड्यंत्र का खुलासा, दो वांछित आरोपी गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। मोहनलालगंज थाना पुलिस ने फर्जी और कूटरचित दस्तावेज तैयार कर करोड़ों रुपये मूल्य की पैतृक भूमि हड़पने के कथित षड्यंत्र में शामिल दो वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी लंबे समय से फरार चल रहे थे और उनकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही थी।पुलिस के अनुसार 11 दिसंबर 2025 को ख्यालीगंज, कैसरबाग निवासी समीर मिर्जा की शिकायत पर मोहनलालगंज थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि ग्राम अमेठी, तहसील मोहनलालगंज स्थित उनकी पैतृक भूमि पर फर्जी एवं कूटरचित दस्तावेज तैयार कर अवैध दावा प्रस्तुत करते हुए कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है।विवेचना के दौरान सामने आया कि मुख्य आरोपी मोहम्मद फरीद मिर्जा ने स्वयं को वादी के दिवंगत चाचा खुसरू मिर्जा का वारिस दिखाने के लिए कथित रूप से फर्जी दस्तावेज तैयार कराए। आरोप है कि इसके लिए उसने वास्तविक पारिवारिक विवरण छिपाकर फर्जी जन्म प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र तथा अन्य दस्तावेज तैयार कर न्यायालय और अन्य मंचों पर प्रस्तुत किए। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी ने अपनी जीवित मां को मृत दर्शाते हुए फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र तैयार कराया और कथित दफन से संबंधित भ्रामक दस्तावेजों का भी उपयोग किया।पुलिस के अनुसार संबंधित विभागों और संस्थाओं से प्राप्त रिपोर्ट में इन अभिलेखों के फर्जी और कूटरचित होने की पुष्टि हुई है। साक्ष्य संकलन के दौरान यह भी प्रकाश में आया कि कथित षड्यंत्र में कई अन्य लोगों की सक्रिय भूमिका रही।

संक्षेप

ईंधन बचत और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने साइकिल से न्यायालय पहुंचे न्यायिक अधिकारी

लखनऊ। ईंधन बचत और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से शनिवार को लखनऊ के न्यायिक अधिकारियों ने साइकिल से न्यायालय पहुंचकर समाज को सकारात्मक संदेश दिया। जनपद न्यायाधीश मलखान सिंह के नेतृत्व में सभी न्यायिक अधिकारी प्रातः डालीबाग स्थित सेशंस हाउस से साइकिल द्वारा न्यायालय के लिए रवाना हुए।जनपद न्यायाधीश मलखान सिंह ने बताया कि वर्तमान परिस्थितियों में ईंधन संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण विषय हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शनिवार को न्यायिक अधिकारी साइकिल से न्यायालय आएंगे। वहीं जो अधिकारी साइकिल नहीं चला सकते, वे बैटरी रिक्शा का उपयोग करेंगे।उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य केवल ईंधन की बचत करना नहीं है, बल्कि आमजन को पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारियों के लिए प्रेरित करना भी है। न्यायिक अधिकारियों की इस पहल को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सकारात्मक प्रयास माना जा रहा है।

वरिष्ठ पत्रकार अमित तिवारी के निधन पर अखिलेश यादव ने जताया शोक, दी श्रद्धांजलि

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने वरिष्ठ पत्रकार अमित तिवारी के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने इसे समाचार जगत के साथ-साथ समाज के लिए भी स्तब्धकारी और दुखद क्षति बताया।अखिलेश यादव ने कहा कि अमित तिवारी का असामयिक निधन कई सवाल खड़े करता है, विशेषकर उन जिम्मेदारियों को लेकर जो किसी व्यक्ति के जाने के बाद उसके परिवार और आश्रितों के सामने रह जाती हैं। उन्होंने कहा कि एक सच्चा पत्रकार जीवन भर अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए संघर्ष करते हुए लोकतंत्र को मजबूत बनाने और सच को सामने लाने का कार्य करता है। पत्रकार अपने मूल्यों और सिद्धांतों से समझौता किए बिना अनेक दबावों का सामना करता है, लेकिन कई बार परिस्थितियां उस पर भारी पड़ जाती हैं।पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि पत्रकारों को 'लोकतंत्र के वैचारिक सेनानी' के रूप में सम्मान और सामाजिक सुरक्षा मिलनी चाहिए, ताकि वे जीवन भर अपने दायित्वों का निष्पक्ष निर्वहन कर सकें। साथ ही उनके परिवारों को भी सम्मानजनक जीवनयापन के लिए आवश्यक सुरक्षा और सहयोग उपलब्ध कराया जाना चाहिए।उन्होंने दिवंगत पत्रकार अमित तिवारी को श्रद्धांजलि देते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

दृष्टिबाधित बच्चों के विद्यालय परिसर में हादसा, लोहे का गेट गिरने से बालक की मौत

लखनऊ। राजधानी के महानगर थाना क्षेत्र स्थित दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग परिसर में संचालित बचपन डे-केयर दृष्टिबाधित बच्चों के विद्यालय भवन में शनिवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। विद्यालय परिसर में लगा लोहे का गेट अचानक गिरने से उसकी चपेट में आए आठ वर्षीय बालक की मौत हो गई।पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह लगभग 09:00 बजे से 09:30 बजे के बीच घटना की सूचना मिली। प्रारम्भिक जांच में सामने आया कि राहुल कश्यप, जो जेबीटीसी कैम्पस में निवास करते हैं और रिक्शा चलाने का कार्य करते हैं, का भांजा शिवा कश्यप अपने मामा के यहां आया हुआ था। शिवा कश्यप की उम्र लगभग आठ वर्ष बताई गई है।बताया गया कि बालक विद्यालय परिसर में लगे झूले पर झूलने गया था। इसी दौरान भवन परिसर से बाहर निकलते समय वहां लगा लोहे का गेट अचानक गिर गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।सूचना मिलते ही महानगर थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और बालक को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरने के साथ अन्य आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार घटना से जुड़े सभी तथ्यों की जांच की जा रही है। मौके पर शांति एवं कानून व्यवस्था की स्थिति सामान्य बनी हुई है।

मोहान रोड स्थित अभिनन्दन रिसॉर्ट में राधाकृष्ण मंदिर की तृतीय देव स्थापना, विशाल भजन संध्या का आयोजन

लखनऊ। राजधानी के मोहान रोड स्थित अभिनन्दन रिसॉर्ट में राधाकृष्ण मंदिर की तृतीय देव स्थापना एवं विशाल भजन संध्या का भव्य आयोजन किया गया। धार्मिक अनुष्ठान में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, सामाजिक एवं राजनीतिक हस्तियों के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पूजा-अर्चना की तथा प्रसाद ग्रहण किया।कार्यक्रम के मुख्य यजमान राम गोपाल कनौजिया एवं उनकी पत्नी रहीं। आयोजन का संयोजन समाजवादी पार्टी के मलिहाबाद विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी सोनू कनौजिया, निवर्तमान पार्षद मोनू कनौजिया और अधिवक्ता संजय कनौजिया ने समस्त कनौजिया परिवार एवं मित्रों के सहयोग से किया।आयोजकों के अनुसार देव स्थापना के अवसर पर विधि-विधान से पूजा-अर्चना संपन्न कराई गई।

गोमतीनगर में युवक की हत्या का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। अपराध शाखा, स्वाट/सर्विलांस टीम (पूर्वी) और विभूतिखण्ड थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने गोमतीनगर क्षेत्र में युवक की हत्या के मामले का खुलासा करते हुए तीन वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त पत्थर भी बरामद किया है, जबकि एक आरोपी अब भी फरार है, जिसकी तलाश जारी है।पुलिस के अनुसार 25 और 26 मई 2026 की रात लखनऊ पब्लिक स्कूल, विनम्रखंड गोमतीनगर के पास कुछ लोगों ने एक युवक को पत्थर से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था और मौके से फरार हो गए थे। घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।इस मामले में 27 मई 2026 को अयोध्या निवासी सौरभ सिंह की तहरीर पर विभूतिखण्ड थाने में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। शिकायत में बताया गया था कि उनके भाई शिवम सिंह उर्फ शिव स्वयं सिंह (30) के साथ मारपीट कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया गया था। बाद में उपचार के दौरान शिवम सिंह की मृत्यु हो गई।घटना की गंभीरता को देखते हुए उच्च अधिकारियों के निर्देशन में गठित पुलिस टीमों ने सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान की। जांच में शान्तनु उर्फ अंकित रावत, हनी तिवारी उर्फ विवेक, विवेक सिंह तथा अनुज सिंह के नाम प्रकाश में आए।संयुक्त पुलिस टीम ने पर्याप्त साक्ष्यों के आधार पर 29 मई को शान्तनु उर्फ अंकित रावत, हनी तिवारी उर्फ विवेक और विवेक सिंह को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ और निशानदेही के आधार पर पुलिस ने घटना स्थल से हत्या में प्रयुक्त पत्थर बरामद किया। वहीं फरार आरोपी अनुज सिंह की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं तथा घटना में अन्य लोगों की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है।गिरफ्तार आरोपियों में शान्तनु उर्फ अंकित रावत निवासी डालीगंज क्रासिंग, थाना अलीगंज, हनी तिवारी उर्फ विवेक निवासी सेक्टर-बी अलीगंज तथा विवेक सिंह निवासी थाना बरदह, जनपद आजमगढ़ शामिल हैं। पुलिस के अनुसार शान्तनु और हनी तिवारी के खिलाफ पूर्व में भी लूट, हत्या के प्रयास, रंगदारी, गैंगस्टर और शस्त्र अधिनियम समेत कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।पुलिस ने बताया कि मामले में धारा 115(2), 109(1) और 103(1) बीएनएस के तहत कार्रवाई की जा रही है।

जून 2026 में बिजली उपभोक्ताओं पर लगेगा एफपीपीएएस शुल्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं को जून 2026 के बिल में ईंधन एवं विद्युत क्रय समायोजन अधिभार (एफपीपीएएस) का अतिरिक्त भार उठाना होगा। उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) की रेगुलेटरी अफेयर्स इकाई ने इस संबंध में निर्देश जारी करते हुए जून माह के लिए एफपीपीएएस लागू करने को कहा है।यूपीपीसीएल की ओर से 29 मई 2026 को जारी पत्र में बताया गया है कि उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग द्वारा 26 मार्च 2025 को जारी मल्टी ईयर टैरिफ (डिस्ट्रिब्यूशन) विनियम, 2025 के तहत ईंधन एवं विद्युत क्रय समायोजन अधिभार की व्यवस्था लागू है। विनियम के अनुसार किसी माह में अतिरिक्त विद्युत खरीद एवं पारेषण व्यय का समायोजन तीन माह बाद उपभोक्ताओं से वसूला जाता है।इसी प्रावधान के तहत मार्च 2026 में हुए अतिरिक्त विद्युत खरीद और पारेषण व्यय के आधार पर जून 2026 में एफपीपीएएस लगाया जाएगा।

बदलता इंफ्रास्ट्रक्चर, बढ़ता भारत: रायपुर-विशाखापट्टनम कॉरिडोर से खुलेगा तरक्की का द्वार

भारत आज तीव्र गति से आधुनिक बुनियादी ढांचे (इंफ्रास्ट्रक्चर) और सुदृढ़ आर्थिक नेटवर्क के निर्माण की दिशा में अग्रसर है। सड़क, रेल, बंदरगाह और लॉजिस्टिक्स को एकीकृत करते हुए देश को आर्थिक रूप से अधिक सक्षम और आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास निरंतर जारी है। विकास के इसी दूरदर्शी दृष्टिकोण का एक उत्कृष्ट उदाहरण रायपुर-विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कॉरिडोर है। यह कॉरिडोर केवल दो शहरों को जोड़ने वाली सड़क परियोजना नहीं है, बल्कि यह ष्नए भारत की नई रफ्तारष का प्रतीक है, जो उद्योग, व्यापार, निवेश और रोजगार के नए क्षितिज खोलने जा रहा है।

रायपुर-विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कॉरिडोर देश के मध्य भाग को पूर्वी समुद्री तट से जोड़ने वाला एक अत्यंत महत्वपूर्ण आर्थिक मार्ग है। यह छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्र प्रदेश के बीच निर्बाध कनेक्टिविटी (संपर्क) स्थापित करेगा, जिससे सड़क परिवहन, लॉजिस्टिक नेटवर्क और औद्योगिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। इस परियोजना को प्रधानमंत्री की गति शक्ति और आत्मनिर्भर भारत की सोच को धरातल पर उतारने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

किसी भी राज्य या देश के विकास का सबसे मजबूत आधार उसका इंफ्रास्ट्रक्चर होता है। जहां विश्वस्तरीय सड़कें, सुगम परिवहन और अत्याधुनिक लॉजिस्टिक सुविधाएं होती हैं, वहां उद्योगों का तेजी से विस्तार होता है और निवेश आकर्षित होता है। यह कॉरिडोर माल परिवहन को अधिक तीव्र, सुरक्षित और लागत प्रभावी (कम खर्चीला) बनाएगा। इसके परिणामस्वरूप उद्योगों को कच्चा माल आसानी से उपलब्ध होगा और तैयार उत्पाद कम से कम समय में बाजार तक पहुंच सकेंगे।

चूंकि विशाखापट्टनम बंदरगाह देश के प्रमुख समुद्री द्वारों में से एक है, इसलिए इस कॉरिडोर के माध्यम से छत्तीसगढ़ को सीधे पोर्ट कनेक्टिविटी मिलेगी। इसका सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि राज्य के उद्योगों की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक सीधी पहुंच स्थापित होगी, जिससे निर्यात को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान मिलेगी।

रायपुर-विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कॉरिडोर छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था के लिए गेम-चेंजर साबित होने वाला है। छत्तीसगढ़ खनिज संपदा, ऊर्जा संसाधनों, कृषि और वनोपज से समृद्ध राज्य है। यहाँ लौह अयस्क, कोयला, बॉक्साइट और स्टील उद्योगों की अपार संभावनाएं हैं। पूर्व में बेहतर परिवहन और लॉजिस्टिक नेटवर्क के अभाव के कारण उद्योग अपनी पूरी क्षमता का लाभ नहीं उठा पाते थे, परंतु यह कॉरिडोर इन चुनौतियों को समूल समाप्त कर देगा।

कॉरिडोर के निर्माण से रायपुर, दुर्ग, भिलाई, धमतरी, कांकेर और जगदलपुर जैसे क्षेत्रों में नए औद्योगिक क्लस्टर्स विकसित होंगे। स्टील, सीमेंट, एल्युमिनियम, खाद्य प्रसंस्करण (फूड प्रोसेसिंग) और एमएसएमई (लघु उद्योगों) को एक नई ऊर्जा मिलेगी, जिससे घरेलू और विदेशी निवेशकों का रुझान इस क्षेत्र की ओर तेजी से बढ़ेगा। इतनी बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजना के आने से रोजगार के अवसर भी आनुपातिक रूप से बढ़ते हैं। सड़क निर्माण, वेयरहाउसिंग, लॉजिस्टिक पार्क्स, नई औद्योगिक इकाइयों और परिवहन सेवाओं के माध्यम से हजारों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा होंगे। स्थानीय युवाओं को अपने ही क्षेत्र में जीविकोपार्जन के साधन मिलने से पलायन की समस्या पर काफी हद तक रोक लगेगी।

यह कॉरिडोर बस्तर संभाग के लिए विशेष रूप से परिवर्तनकारी सिद्ध होगा। लंबे समय से विकास की मुख्यधारा से कटे क्षेत्रों में बेहतर सड़क और व्यापारिक संपर्क स्थापित होगा। बस्तर के बहुमूल्य वन उत्पाद, अनूठे हस्तशिल्प, कृषि उपज और लघु उद्योगों को बड़े बाजार तक पहुंच मिलेगी, जिससे आदिवासी समुदायों की आय में वृद्धि होगी और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी। छत्तीसगढ़ देश में धान के कटोरे के रूप में प्रसिद्ध है। इसके अतिरिक्त यहाँ मक्का, दलहन, फल और लघु वनोपज का भी प्रचुर मात्रा में उत्पादन होता है। बेहतर परिवहन व्यवस्था से किसानों और वनोपज संग्राहकों को अपनी उपज मंडियों तक पहुंचाने में सुगमता होगी। परिवहन लागत घटने से सीधे तौर पर किसानों का मुनाफा बढ़ेगा। चित्रकोट जलप्रपात, तीरथगढ़, कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान, सिरपुर और बस्तर के सांस्कृतिक पर्यटन स्थलों तक पहुंच सुगम होने से राज्य में पर्यटन उद्योग को भारी बढ़ावा मिलेगा। इससे होटल, गाइड, स्थानीय परिवहन और हस्तशिल्प व्यवसायियों की आय दोगुनी होगी।

कोपरा जलाशय: छत्तीसगढ़ का पहला रामसर स्थल बना पर्यावरण संरक्षण की मिसाल

धनंजय राठौर, अशोक कुमार चंद्रवंशी

कोपरा जलाशय हजारों प्रवासी पक्षियों के लिए सुरक्षित ठिकाना बन चुका है। हर वर्ष विभिन्न देशों और राज्यों से आने वाले पक्षी यहां भोजन और विश्राम प्राप्त करते हैं।

छत्तीसगढ़ का पहला रामसर स्थल कोपरा जलाशय आज पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन और सामुदायिक सहभागिता का प्रेरणादायक मॉडल बनकर उभर रहा है। जैव विविधता के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस 2026 की थीम स्थानीय स्तर पर कार्य, वैश्विक प्रभाव को यह जलाशय वास्तविक रूप में साकार कर रहा है।

सुबह के शांत वातावरण में प्रवासी पक्षियों की मधुर आवाजें और जलाशय के आसपास आजीविका से जुड़े ग्रामीणों की गतिविधियां प्रकृति और मानव जीवन के गहरे संबंध को दर्शाती हैं। कोपरा जलाशय वर्षों से क्षेत्र के लोगों के लिए जल, मत्स्य पालन, कृषि और पर्यावरणीय संतुलन का महत्वपूर्ण आधार बना हुआ है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा जैव विविधता संरक्षण, आर्द्रभूमि विकास और पर्यावरण संतुलन को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। जल स्रोतों के संरक्षण, वृक्षारोपण, वन्यजीव सुरक्षा और सामुदायिक भागीदारी से जुड़े कई अभियान प्रदेश में संचालित किए जा रहे हैं, जिनका सकारात्मक प्रभाव कोपरा जलाशय जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में दिखाई दे रहा है।

वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा है कि छत्तीसगढ़ की जैव विविधता राज्य की अमूल्य धरोहर है और इसके संरक्षण में स्थानीय समुदायों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि कोपरा जलाशय यह संदेश देता है कि जब शासन और समाज मिलकर प्रकृति संरक्षण का संकल्प लेते हैं, तब पर्यावरण सुरक्षा के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों का भविष्य भी सुरक्षित होता है।

कोपरा जलाशय हजारों प्रवासी पक्षियों के लिए सुरक्षित ठिकाना बन चुका है। हर वर्ष विभिन्न देशों और राज्यों से आने वाले पक्षी यहां भोजन और विश्राम प्राप्त करते हैं। इसके साथ ही यह जलाशय जलीय जीवों, मछलियों, वनस्पतियों और अनेक सूक्ष्म जीवों के लिए भी महत्वपूर्ण आवास प्रदान करता है। इसी विशेषता के कारण इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण आर्द्रभूमि के रूप में मान्यता मिली है।

स्थानीय ग्रामीणों, महिला स्व-सहायता समूहों, युवाओं और विद्यालयों की सक्रिय भागीदारी से यहां स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, पक्षी संरक्षण और बायो-फेंसिंग जैसे कार्य लगातार किए जा रहे हैं। इन प्रयासों से पर्यावरण संरक्षण को मजबूती मिलने के साथ लोगों में प्रकृति के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना भी विकसित हो रही है।

जलवायु परिवर्तन से निपटने में भी महत्वपूर्ण

विशेषज्ञों के अनुसार आर्द्रभूमियां प्राकृतिक सुरक्षा कवच की तरह कार्य करती हैं। वे बाढ़ नियंत्रण, भूजल पुनर्भरण, जल शुद्धिकरण और कार्बन अवशोषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ऐसे में कोपरा जलाशय का संरक्षण जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने में भी बेहद उपयोगी साबित हो रहा है।

कोपरा जलाशय आज यह संदेश दे रहा है कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज की साझा जिम्मेदारी है। स्थानीय स्तर पर किए गए छोटे-छोटे प्रयास ही वैश्विक स्तर पर बड़े बदलाव की नींव बनते हैं। छत्तीसगढ़ का यह पहला रामसर स्थल आने वाले समय में पर्यावरण संरक्षण, सतत विकास और सामुदायिक सहभागिता का राष्ट्रीय मॉडल बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रकृति का संरक्षण हमारी साझा जिम्मेदारी है। इस ऐतिहासिक धरोहर के संरक्षण और इसके वैश्विक महत्व पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राज्य के नागरिकों और संरक्षण टीम की सराहना करते हुए अपना संदेश दिया है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि कोपरा जलाशय को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रामसर स्थल की मान्यता मिलना पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय है। हमारी सरकार जैव विविधता संरक्षण, आर्द्रभूमि के विकास और पर्यावरण संतुलन को मजबूत करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। कोपरा जलाशय इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि जब शासन की नीतियां और समाज का संकल्प एक साथ मिलते हैं, तो स्थानीय स्तर पर किए गए छोटे प्रयास भी वैश्विक स्तर पर बड़ा बदलाव ला सकते हैं। हमारी समृद्ध प्रकृति ही हमारी आने वाली पीढ़ियों का सुरक्षित भविष्य है।

(लेखक संयुक्त संचालक, सहायक जनसंपर्क अधिकारी हैं)

टिप्पणी

जस्टिस शरण की आपत्ति

एनएचआरसी के बारे में जस्टिस श्रीधरन की टिप्पणी इस धारणा की पुष्टि करती है कि संवैधानिक/वैधानिक संस्थाएं अपना काम करने के बजाय किसी राजनीतिक परियोजना से संचालित हो रही हैं।

राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने 588 मदरसों पर लगे आरोप की जांच करने का आदेश उत्तर प्रदेश सरकार को दिया। इल्जाम है कि ये मदरसे राज्य के अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से अनुदान हासिल करते हैं, लेकिन इमारत, फर्नीचर, हॉस्टल आदि के मामलों में बुनियादी शैक्षिक मानदंडों का पालन नहीं करते। एनएचआरसी के इस आदेश को टीचर्स एसोसिएशन मदारिस अरबिया और अन्य कई पक्षों ने हाई कोर्ट में चुनौती दी। वहां न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति विवेक शरण की बेंच ने एनएचआरसी के आदेश पर रोक लगा दी।

लेकिन निर्णय सुनाने के क्रम में उन्होंने जो टिप्पणियां कीं, उनसे उनके मतभेद जाहिर हुए। जस्टिस शरण का कहना था कि चूंकि एनएचआरसी की तरफ से कोर्ट में कोई मौजूद नहीं हुआ, अतः उसके खिलाफ नकारात्मक टिप्पणी करना उचित नहीं है। जबकि जस्टिस श्रीधरन ने एनएचआरसी की कुल भूमिका पर सख्त आलोचनात्मक बातें कहीं। कहा कि जब मुसलमानों पर अत्याचार या उनकी लिंचिंग होती है, तो एनएचआरसी उन घटनाओं का संज्ञान नहीं लेता। उन्होंने ध्यान दिलाया कि एनएचआरसी का गठन मानव अधिकार अधिनियम 1993 के तहत हुआ था। उस कानून में मानव अधिकार की परिभाषा मौजूद है। उसके मुताबिक वे अधिकार इस दायरे में आएंगे, जिन्हें भारतीय संविधान में व्यक्ति के जीवन, स्वतंत्रता, समानता और गरिमा को सुनिश्चित करने के लिए शामिल किया गया है।

साथ ही जो अंतरराष्ट्रीय संधियां भारत में लागू हैं, उनमें वर्णित अधिकार भी मानव अधिकार के दायरे में आते हैं। न्यायमूर्ति श्रीधरन ने कहा कि ऐसे अधिकारों की रक्षा तक खुद को सीमित रखने के बजाय एनएचआरसी वैसे मामलों में दखल दे रहा है, जिन्हें सामान्यतः संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत जन हित याचिका के जरिए अदालतों के सामने लाया जाना चाहिए। आज के दौर में संवैधानिक या वैधानिक संस्थाओं की बनी भूमिका के संदर्भ में ये टिप्पणी बेहद अहम है। यह इस आम धारणा की पुष्टि करती है कि ये संस्थाएं अपेक्षित कार्य करने के बजाय किसी राजनीतिक परियोजना से संचालित हो रही हैं। अतः जस्टिस शरण की आपत्ति तकनीकी रूप से जायज है, लेकिन जस्टिस श्रीधरन ने जो कहा, उसका संदर्भ व्यापक है।

ब्लॉग

“आकर्षण का पर्दाफाश करना- निकोटिन व तम्बाकू की लत का मुकाबला करना” थीम पर मनाया जाएगा दिवस

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस (31 मई) पर विशेष

मुकेश कुमार शर्मा

तम्बाकू का किसी भी रूप में सेवन जान को जोखिम में डालने के समान है। इसके सेवन से कैंसर, हृदय रोग और सांस लेने में दिक्कत जैसी गंभीर बीमारियाँ जहाँ लोगों को आर्थिक व सामाजिक रूप से कमजोर बनाती हैं वहीँ इसका असर पूरे परिवार पर साफ़ तौर पर देखा जा सकता है। इसके सेवन से हर साल लाखों लोग असमय जान तक गँवा देते हैं। तम्बाकू के दुष्प्रभाव के बारे में लोगों को जागरूक बनाने, इसकी लत से छुटकारा दिलाने और इससे होने वाली मृत्यु दर में कमी लाने के लिए ही हर साल 31 मई को विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस साल इस खास दिवस की थीम है-“आकर्षण का पर्दाफाश करना- निकोटिन और तम्बाकू की लत का मुकाबला करना”। इसका उद्देश्य लोगों को तम्बाकू मुक्त जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करने के साथ ही उनको नशे की लत से छुटकारा दिलाकर समाज की मुख्य धारा से जोड़ना है। आज के दिन यह सच्चे मन से ठान लेना है कि तम्बाकू के नशे की काली कोठरी से निकलकर जीवन में खुशहाली लाने का मजबूत कदम उठाएंगे। मानते हैं कि यह एक दिन में नहीं होगा लेकिन एक दिन अवश्य होगा।

तम्बाकू, बीड़ी, सिगरेट आदि का सेवन शरीर को पूरी तरह खोखला बना देता है, जिससे रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर पड़ जाती है और बीमारियां आसानी से घेर लेती हैं। आज के किशोर-किशोरियां महज दिखावे के चक्कर में इसके जाल में फंस जाते हैं। देश के इन कर्णधारों को इस लत से छुटकारा दिलाना ही आज की सबसे बड़ी चुनौती है। तम्बाकू उत्पादों को आकर्षक तरीके से युवाओं के सामने पेश करने के लिए निर्माता भी कमर कसकर हर वक्त तैयार रहते हैं। ज्ञात हो कि तंबाकू और निकोटीन उद्योग द्वारा बहुत ही चालाकी से युवाओं को लुभाने के लिए ई-सिगरेट, वेप्स और अन्य भ्रामक उत्पादों का सहारा लिया जा रहा है, जिसको बेनकाब किया जाना जरूरी है। तम्बाकू उद्योग की इन व्यापारिक रणनीतियों को युवाओं के सामने रखकर उनको यह बताने की जरूरत है कि अपने व्यवसाय को फलता-फूलता देखने के लिए उनके द्वारा किस तरह से भावी पीढ़ी को जाल में फंसाने का प्रयास किया जा रहा है। सरकार द्वारा निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं कि किशोर-किशोरियों और युवाओं को तम्बाकू मुक्त जीवन शैली प्रदान की जा सके। इसकी गंभीरता पर विचार करते हुए ही सार्वजनिक स्थलों और स्कूलों के आस-पास बीड़ी-सिगरेट व अन्य तम्बाकू उत्पादों की बिक्री पर पूरी तरह प्रतिबन्ध लगाने के लिए केंद्र सरकार वर्ष 2003 में सिगरेट एवं अन्य तम्बाकू उत्पाद अधिनियम (कोटपा) ले आई, जिस पर सख्ती से अमल की जरूरत है। इस अधिनियम के सही तरीके से पालन के अभाव में ही अपेक्षित परिणाम नहीं मिल पा रहे हैं।

बीड़ी-सिगरेट पीने या अन्य किसी भी रूप में तम्बाकू का सेवन करने वालों को कई तरह के कैंसर के चपेट में आने की पूरी सम्भावना रहती है। इसके अलावा टीबी समेत कई अन्य गंभीर बीमारियों की भी चपेट में तम्बाकू का सेवन करने वाले आ सकते हैं। इसमें मुंह व गले का कैंसर प्रमुख हैं। आज के मौके पर हर किसी को यह भी जानना जरूरी है कि धूम्रपान करने वालों के फेफड़ों तक तो करीब 30 प्रतिशत ही धुँआ पहुँचता है बाकी बाहर निकलने वाला करीब 70 प्रतिशत धुँआ उन लोगों को प्रभावित करता है जो कि धूम्रपान करने वालों के आस-पास रहते हैं। यह धुँआ (सेकंड स्मोकिंग) सेहत के लिए और भी खतरनाक होता है। आज विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर अपनी भावी पीढ़ी को बीड़ी-सिगरेट व तम्बाकू छोड़ने के फायदे भी बताने की सख्त जरूरत है। विभिन्न अध्ययन बताते हैं कि धूम्रपान बंद करने के 12 मिनट के भीतर उच्च हृदय गति और रक्तचाप में कमी आ सकती है। 12 घंटे बाद रक्त में मौजूद कार्बन मोनो आक्साइड सामान्य स्तर पर पहुँच जाएगा। दो से 12 हफ्ते में खून का प्रवाह और फेफड़ों की क्षमता बढ़ जाती है।

इस सब से इतर अगर गहराई से देखा जाए तो तम्बाकू की खेती, उत्पादन और उससे निकलने वाला कचरा हमारे पर्यावरण को भी भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं। इस ओर भी आज के दिन समुदाय, संस्थाओं, संगठनों और नीति निर्माताओं का ध्यान आकर्षित करना है कि इससे उबरने के लिए समय रहते जरूरी कदम उठाये जाएँ ताकि भावी पीढ़ी को एक स्वस्थ वातावरण प्रदान करने में हम सभी सहायक बन सकें। इसके अलावा तम्बाकू उत्पादों की बिक्री और उपयोग को लेकर सभी देशों को एक समान नीतियों पर विचार करना होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन के वर्ष 2024 के आंकड़े बताते हैं कि केवल सात देशों ने सभी प्रकार के ई-सिगरेट पर रोक लगाया है। दूसरी ओर आठ देशों में तम्बाकू उद्योगों के प्रचार-प्रसार पर किसी तरह का कोई प्रतिबन्ध नहीं है। 19 देशों में आंशिक प्रतिबन्ध है तो 10 देश सार्वजनिक स्थानों पर ई सिगरेट के उपयोग को विनियमित नहीं करते हैं।

(लेखक पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं)

लाखों रुपये खर्च कर बनाया घर, बेटा-बहू ने निकाला तो परेशान बुजुर्ग दंपती की मुख्यमंत्री योगी से अपील- दबंगई पर चलाइये बुलडोजर

आर्यावर्त संवाददाता

मलपुरा (आगरा)। बड़े बेटे और बहू से न्यायालय में कानूनी लड़ाई लड़ रहे बुजुर्ग माता-पिता ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मार्मिक गुहार लगाई है। बेटे और बहू की दबंगई और माफियागिरी पर बैकहो लोडर (बुलडोजर चलाने अपील की है। दंपती ने बेटे और बहू पर मकान को हड़पते हुए छोटे बेटे सहित घर से निकालने का आरोप लगाया है।

कहा वह चार सालों से छोटे बेटे के साथ किराए के मकान में रह रहे हैं। इंटरनेट मीडिया पर वीडियो प्रसारित होने के बाद पुलिस ने बुजुर्ग दंपती से मुलाकात कर उनका पक्ष जाना। मूलरूप से एकता क्षेत्र के चमरौली गांव निवासी रामविलास कटारा पीडब्ल्यूडी से लिपिक पद से वर्ष 2013 में सेवानिवृत्त हुए थे। वर्तमान में वह बैंक कॉलोनी राजपुर

में पत्नी ऊषा कटारा व छोटे बेटे प्रदीप कटारा के साथ किराये के मकान में रह रहे हैं। इंटरनेट मीडिया पर बुजुर्ग दंपती का वीडियो प्रसारित हो रहा है।

मार्मिक अपील करते हुए बनाए वीडियो को इंटरनेट मीडिया पर किया पोस्ट

उन्होंने बताया कि बड़े बेटे संदीप, छोटे बेटे प्रदीप और बेटी संध्या व अंजू की धूमधाम से शादी की। वर्ष 2018 में पत्नी ऊषा कटारा पैरालाइसिस के कारण अपाहिज हो गईं। इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। गांव में 350 वर्ग गज भूमि पर दोनों बेटों के लिए सपनों का मकान तैयार कराया।

कुछ समय बाद बड़े बेटे संदीप के व्यवहार में बदलाव आने लगा। गांव में झगड़े और विवाद बढ़ने लगे। परिवार बचाने और बेटे-बहू का भविष्य सुरक्षित करने के लिए गांव का मकान बेच दिया।

प्रसारित वीडियो से मामले की जानकारी होने पर बुजुर्ग दंपती से पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली गई है। दोनों पक्षों के बयान दर्ज किए गए हैं। जांच के बाद जो तथ्य सामने आएंगे उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

- राजेंद्र कुमार वशिष्ठ, इंस्पेक्टर मलपुरा

दबंगई से मकान को हड़पकर घर से बाहर निकालने का लगाया है आरोप

रामविलास ने दावा किया है कि उन्होंने बिक्री के बाद मिले रुपयों से हाईवे किनारे ककुआ स्थित क्रिस्टल सिटी में वर्ष 2020 में 156 वर्ग गज का प्लाट 15 लाख रुपये में खरीदा। स्टांप में छूट पाने के लिए बैनामा बड़ी बहू कल्पना के नाम कराया। बहू के खाते में रुपये डालकर विक्रेता के चेक चुकता कराए और कुछ रकम नकद भी दी। इसके बाद करीब 60 लाख रुपये खर्च कर दो मंजिला मकान बनवाया गया। आरोप है कि चार जनवरी 2022 को बड़े बेटे और बहू ने रामविलास, उनकी पत्नी ऊषा व छोटे बेटे प्रदीप को घर से निकाल दिया। तब से वह किराये के मकान में रह रहे हैं। उनके कमरों के ताले तोड़े गए, घरेलू सामान तक बेच दिया गया। पेंशन की रकम पर भी कब्जा करने का प्रयास किया गया।

51 प्रार्थना पत्र दिए, फिर भी कार्रवाई नहीं हुई

रामविलास का कहना है कि वर्ष 2021 से अब तक वे शासन, पुलिस प्रशासन और स्थानीय अधिकारियों को 51 प्रार्थना पत्र दे चुके हैं। कई पुलिस जांच आख्या में यह उल्लेख किया गया कि रामविलास कटारा ने अपना पैतृक मकान बेचकर बहू के नाम प्लाट खरीदकर मकान बनवाया था, लेकिन इसके बावजूद उन्हें न न्याय मिला और न ही अपने मकान पर अधिकार।

छोटी बहू के तलाक विवाद के कारण बड़ी बहू के नाम लिया प्लाट

रामविलास कटारा के अनुसार छोटी बहू से तलाक का मामला चल रहा था। कुछ समय बाद तलाक हो भी गया। इसी कारण भविष्य के विवाद से बचने और परिवार को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से नई संपत्ति बड़ी बहू के नाम खरीदी थी। जिससे किसी कानूनी विवाद की स्थिति में राहत मिल सके। मकान नाम होने पर बड़े बेटे और बहू की नियत में भी खोट आ गई।

इंटरनेट मीडिया बना आखिरी सहारा

पुलिस-प्रशासन में सुनवाई नहीं होने के बाद बुजुर्ग दंपती ने इंटरनेट मीडिया को सहारा बना लिया। रामविलास कटारा ने बेटे और पुत्रवधू के खिलाफ अब तक डेढ़ दर्जन से अधिक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर अपलोड किए हैं। इनमें उन्होंने अपनी पीड़ा और न्याय न मिलने की बात कही है। बताया गया है कि दो दिन पहले उनके एक वीडियो को लाखों लोगों ने देखा। इसके बाद शुक्रवार सुबह थाना मलपुरा पुलिस बैंक कालोनी राजपुर स्थित उनके निवास पर पहुंची। बयान दर्ज कर कार्रवाई का आश्वासन दिया।

बहू बोली, मुकदमा वापस लें जीवन भर साथ रखने को तैयार

बड़ी बहू कल्पना ने कहा कि मकान उनका है। उनकी संपत्ति में छोटे बेटे को हिस्सा देने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। मकान से जुड़ा विवाद न्यायालय में विचाराधीन है। ससुर मुकदमे वापस लें तो वह सास-ससुर को जीवन भर अपने साथ रखने के लिए तैयार हैं। इसके लिए वह स्टांप पर लिखकर दे सकती हैं। अपनी संपत्ति में किसी को हिस्सा नहीं दूंगी। उन्होंने बताया कि पति गुजरात में रहकर प्राइवेट नौकरी करते हैं।

माफिया अतीक अहमद के गुर्गे के साथी पर भी 50 हजार रुपये का इनाम घोषित, प्रापर्टी डीलर का हत्यारोपित है फरार

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद का गुर्गा आसिफ दुर्रानी इन दिनों जेल में बंद है। इसके साथी नासिर जमाल पर भी 50 हजार रुपये का इनाम घोषित हो गया है। आरोप है कि जीटीबी नगर निवासी नासिर ने प्रापर्टी डीलर की हत्या में अतीक के गुर्गे का सहयोग किया था। हत्याकांड के बाद से वह लगातार वांछित चल रहा है। इसकी गिरफ्तारी न होने पर पुलिस की ओर से नासिर पर इनाम घोषित किया गया है। हालांकि इसी हत्याकांड में आसिफ की बहन भी लगातार फरार चल रही है, लेकिन उस पर इनाम नहीं किया गया है।

हत्याकांड में दोनों भाई पकड़े नहीं गए तो इनाम घोषित

करेली थाना क्षेत्र में आठ अप्रैल 2026 की शाम सरेराह प्रापर्टी डीलर इरफान की गोली मारकर हत्या की गई थी। इरफान के बेटे की तहरीर पर पुलिस ने आसिफ और राशिद व कई

अज्ञात के खिलाफ मुकदमा कायम किया। साजिश में शामिल कई आरोपितों को गिरफ्तार करके पुलिस ने जेल भेजा लेकिन दोनों भाई पकड़ में नहीं आए। तब उन पर इनाम घोषित किया गया।

राशिद गिरफ्तार, आसिफ ने कोर्ट में आत्मसमर्पण किया

इसके बाद पुलिस ने राशिद को दबोचा और फिर आसिफ ने न्यायालय में आत्मसमर्पण किया था। इसके बाद पुलिस ने मुकदमे में वांछित चल रहे नासिर पर शिकंजा कसना शुरू किया। उसकी तलाश में संभावित ठिकानों पर छापेमारी की गई, लेकिन गिरफ्त में नहीं आया। इसके चलते नासिर पर इनाम घोषित किया गया। कहा जा रहा है कि वांछित अभियुक्त शहर छोड़कर भागा हुआ है। जल्द ही उसे दबोच लिया जाएगा।

करेली थानाध्यक्ष बोले- नासिर की तलाश तेज

उधर, नासिर को भी पीसीआर पर लेकर असलहा बरामद किए जाने की बात कही जा रही है। थानाध्यक्ष करेली आशीष सिंह सिसौदिया ने बताया कि मुकदमे में वांछित नासिर पर इनाम घोषित किया गया है, जिसके बाद तलाश तेज कर दी गई है।

राहुल गांधी मानहानि मामले की सुनवाई अब 5 जून को

सुल्तानपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ चल रहे मानहानि मामले में शनिवार को स्पेशल एमपी/एमएलए कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने मामले की पत्रावली लोवर एमपी/एमएलए कोर्ट से तलब कर ली है। अब इस मामले में अगली सुनवाई 5 जून को होगी। बताया जा रहा है कि इससे पहले लोवर कोर्ट ने वादी पक्ष के अधिवक्ता संतोष पाण्डेय की उस अपील को खारिज कर दिया था, जिसमें राहुल गांधी की कथित वॉयस सैंपल और कोर्ट में जमा सीडी की आवाज का विधि विज्ञान प्रयोगशाला से मिलान कराने की मांग की गई थी। लोवर कोर्ट से अपील खारिज होने के बाद वादी अधिवक्ता संतोष पाण्डेय ने स्पेशल कोर्ट में रिवीजन याचिका दायर की है, जिस पर अब सुनवाई की जा रही है। गौरतलब है कि यह मानहानि का मुकदमा भाजपा नेता विजय मिश्रा की ओर से दर्ज कराया गया था। वहीं मूल मुकदमे में अगली सुनवाई 17 जून को निर्धारित की गई है।

जौनपुर के आभूषण कारोबारी की सड़क हादसे में मौत, बाइक पर सवार थे प्रयागराज में अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। जौनपुर के आभूषण कारोबारी 58 वर्षीय प्रेम शंकर वर्मा निवासी निगोह थाना बरसठी जनपद जौनपुर की प्रयागराज में सड़क हादसे में जान चली गई। हादसा शनिवार भोर में फूलपुर-प्रतापपुर वारी मार्ग पर स्थित बरजी बरा गांव के सामने हुआ।

भूषण कारोबारी बाइक पर सवार थे, अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी थी। वाहन लेकर चालक फरार हो गया, उसकी पुलिस तलाश कर रही है। हादसे की सूचना पाकर फूलपुर पुलिस मौके पर पहुंची। मृतक के कपड़ों से मिले कागजातों से उनकी पहचान हुई।

शनिवार भोर में हादसा

जौनपुर जनपद के थाना बरसठी क्षेत्र के निगोह बाजार निवासी प्रेम शंकर वर्मा निगोह बाजार में सराफा की दुकान का संचालन करते थे। वह व्यवसाय के सिलसिले में शनिवार को भोर में घर से बाइक से प्रयागराज जा रहे थे। प्रतापपुर-फूलपुर मार्ग पर के बर्जी बरा के पास अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। सराफा व्यवसायी की मौके पर ही मौत हो गई।

छोटा बघाड़ा मुहल्ले में कमरा लिए थे

जानकारी होने पर बिलखते परिवार के लोग पहुंचे। घरवालों ने बताया कि प्रेमशंकर वर्मा का प्रयागराज के छोटा बघाड़ा मुहल्ले में एक कमरा था, जहां वह अपने व्यवसायिक कार्य के लिए सप्ताह में एक बार आते-जाते थे। शनिवार भोर करीब तीन बजे वह अपने घर से बाइक से प्रयागराज के लिए निकले थे। उनके दो पुत्र अनूप वर्मा व तरुण वर्मा तथा दो पुत्रियों का रो-रोकर हाल बेहाल है।

ज्येष्ठ पूर्णिमा गंगा स्नान : बदायूं में भारी वाहनों के लिए डायवर्जन

आर्यावर्त संवाददाता

बदायूं। ज्येष्ठ पूर्णिमा गंगा स्नान पर्व पर 31 मई को कछला गंगा घाट और अटैना घाट पर लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने यातायात व्यवस्था के लिए डायवर्जन प्लान जारी किया है। यह डायवर्जन 30 मई रात 10 बजे से 31 मई रात 8 बजे तक प्रभावी रहेगा।

ये रहेगा डायवर्जन

जारी डायवर्जन के अनुसार बदायूं से हाथरस, अलीगढ़, मथुरा और राजस्थान की ओर जाने वाले भारी व हल्के वाहन उझानी बाईपास, मुजरिया, सहसवान, जरीफनगर, गुन्नौर और बबराला होकर अपने गंतव्य तक जाएंगे।

वहीं कासगंज, एटा और आगरा की ओर जाने वाले भारी वाहन नौशेरा तिराहा से कादरचौक और गंजडुंडवारा होकर भेजे जाएंगे।

इसी तरह मुजरिया चौराहे और सहसवान कछला रोड से किसी भी वाहन को कछला होकर कासगंज की ओर नहीं जाने दिया जाएगा।

डायवर्जन व्यवस्था राजकीय मेडिकल कॉलेज तिराहा, उझानी बड़ा बाईपास, मुजरिया चौराहा और सहसवान कछला रोड पर संबंधित थाना पुलिस और यातायात पुलिस की निगरानी में लागू रहेगी।

हालांकि गंगा स्नान के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं पर यह डायवर्जन लागू नहीं होगा।

हिंदी पत्रकारिता का समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान

जौनपुर। हिंदी पत्रकारिता का स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आज तक देश व समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उक्त विचार जौनपुर पत्रकार संघ के अध्यक्ष शशिमोहन सिंह क्षेम ने हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में व्यक्त किया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने कहाकि आज देश के लाखों युवा हिंदी समाचार पत्रों को पढ़कर उनसे ज्ञान अर्जित करके विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो रहे हैं। पत्रकार रामश्रृंगार शुक्ल गदेला ने कहाकि दो सौ वर्षों पूर्व पं. जुगल किशोर ने कलकत्ता से उदन्त मार्तण्ड नामक पत्र प्रकाशित करके हिंदी पत्रकारिता की नींव डाली थी। पत्रकार लोलारख दूबे ने कहाकि इलेक्ट्रानिक मीडिया के दौर में भी प्रिंट मीडिया का महत्व कम नहीं हुआ है। छात्रों और नौजवानों ने समाचार पत्रों से राजनीति, उद्योग, कला साहित्य आदि क्षेत्रों में विकास किया।

जिला जेल का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखा

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. ने शनिवार को जिला कारागार का औचक निरीक्षण कर सुरक्षा और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जेल परिसर की विभिन्न बैरकों में सघन तलाशी अभियान चलाया गया, जिसमें कोई भी संदिग्ध या प्रतिबंधित सामग्री नहीं मिली। जिलाधिकारी ने जेल में निरुद्ध बंदियों से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं और सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने बंदियों से भोजन, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में फीडबैक प्राप्त किया। बंदियों ने बताया कि उन्हें समय पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।डीएम ने जेल अस्पताल का भी निरीक्षण किया और वहां भर्ती बंदियों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य संबंधी हालात की जानकारी ली। मरीज बंदियों ने बताया कि उन्हें नियमित रूप से दवाएं मिल रही हैं तथा चिकित्सकीय देखभाल संतोषजनक है। टीम ने जेल की पाकशाला का निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता और स्वच्छता की जांच की। निरीक्षण के दौरान व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं और किसी भी प्रकार की गंभीर समस्या सामने नहीं आई। जेल प्रशासन को निर्देश दिए कि सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाए रखा जाए तथा शासन के निर्देशों के अनुरूप बंदियों को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़या, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. प्रभात कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक आयुष श्रीवास्तव आदि अधिकारी मौजूद रहे।

मुजफ्फरनगर में मां-बेटे के हत्यारे को मिली फांसी की सजा, 15 साल बाद आया अदालत का फैसला

आर्यावर्त संवाददाता

मुजफ्फरनगर। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, फास्ट ट्रैक कोर्ट-3 रवि कुमार दिवाकर के न्यायालय ने मां-बेटे की हत्या के दोषी प्रेमी रईस उर्फ रहीस उर्फ जहूर हसन को फांसी की सजा सुनाई है।

हत्यारोपित रईस उर्फ रहीस उर्फ जहूर हसन पुत्र नत्थ बख्श निवासी पराबाहुद्दीनपुर, बिसातगंज, बरेली ने सात नवंबर 2011 को बकरीद के दिन राजेश देवी व उसके छह वर्षीय पुत्र हिमांशु को सलेमपुर से टैम्पू में सवार किया था।

ईंट से प्रहार कर की थी हत्या

यहां से आरोपित चरथावल के अलावलपुर के मोड के निकट मां-बेटे को ईंख में ले गया। राजेश ने साथ जाने की जिद करने लगी और उसका गला पकड़ लिया। मारवीट के बाद अचेत हुई महिला राजेश और पुत्र पर ईंट से प्रहार कर हत्या की थी। हत्याकांड में लगभग 15 वर्ष बाद सजा सुनाई गई।

घरों से सटाकर विद्युत तार का व्यापारियों ने किया

जौनपुर। लोक शक्ति उद्योग व्यापार मण्डल प्रदेश अध्यक्ष श्रवण जायसवाल की अगुवाई में जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. को सम्बोधित ज्ञापन न्यायिक मजिस्ट्रेट शाहगंज रानी गरिमा जायसवाल को सौंपा गया। श्री जायसवाल ने कहा कि रामदयालगंज बाजार के दोनों छोर से हाईटेंशन लाइन 33 हजार किलोवाट मकान के बाजार से सटाकर ले जाया जा रहा है। वह भी हाई कोर्ट के रोक के बावजूद बिजली विभाग ने मानव मूल्यों के तिलांजलि देते हुये तथा होने वाली अनहोनी के प्रति आंख मूंद करके विभाग द्वारा रात के समय चुपके से लाइन बिछाना घोर अपराध की श्रेणी में आता है। बिजली विभाग की इस मनमानी पूर्ण रवैया को व्यापार मण्डल बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने जिलाधिकारी से तत्काल हस्तक्षेप करके उक्त हाईटेंशन तार 33000 वाट को अण्डरग्राउण्ड के माध्यम से ले जाने का काम करें जिससे भविष्य में होने वाली जनहानि से बचा जा सके। साथ ही यह भी कहा कि यदि गम्भीरता से नहीं लिया गया।

ईद पर बुलाकर दोस्त का कत्ल: असद वार करता रहा, पेट में घुसे चाकू संग 200 मीटर भागा छात्र; आयुष के बड़े खुलासे

आर्यावर्त संवाददाता

खोड़ा (गाजियाबाद)। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले में हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक छात्र सूर्या की हत्या उसके ही दोस्त असद ने कर दी। असद ने ईद के पर्व पर सूर्या को अपने घर बुलाया था। रास्ते में उसने सूर्या से कहा कि कभी बकरा हलाल होते देखा है। सूर्या ने मना किया तो असद ने कहा कि आओ आज तुम्हें दिखाते हैं। सूर्या ने फिर इनकार किया और वहां से लौटने लगा। इसी बात पर असद ने गाली-गलौज शुरू कर दी और सूर्या के विरोध करने पर चाकू निकालकर उसके पेट में घोंप दिया। हादसे के चश्मदीद आयुष ने मामले को लेकर कई खुलासे किए हैं।

आयुष ने बताया कि जब वह और विक्की, सूर्या को बचाने के लिए आगे बढ़े तो असद ने चाकू दिखाकर हत्या की धमकी दी। वह डर गए। उन्होंने कई बार असद को दोस्ती का वास्ता दिया, लेकिन वह नहीं माना और एक के बाद एक चाकू मारता रहा। असद के भागने के बाद उन्होंने अपनी शर्ट से सूर्या के पेट पर बांधकर खून रोकने का प्रयास किया। सूर्या के भाई को सूचना दी तो वह एक ई रिक्शा से अस्पताल लेकर गए।

वारदात के बाद गली नंबर एक व दो में सन्नाटा

नवनीत विहार गली नंबर एक और दो में मिश्रित आबादी रहती है। यहां दोनों ही धर्मों के लोगों के मकान और कारोबार हैं। वारदात के बाद गली नंबर एक व दो में सन्नाटा है। तनाव को देखते हुए पुलिस बल तैनात किया गया है।

मकान मालिक ने बताई यह बात

मकान मालिक विनीत ने बताया कि सूर्या और असद झगड़े के बाद से एक साथ रहने लगे थे। पहले असद उन्हीं की गली में रहता था, लेकिन उसका परिवार मकान बेचकर थोड़ी दूर गली में रहने लगा था। आठ माह पहले विवाद के बाद दोनों की ओर से मामला पूरी तरह निपट गया था। असद अक्सर उन्हीं की गली के आसपास दोस्तों के साथ घूमता रहता था।

अस्पताल पर आरोप- 24 घंटे में बना दिया 4 लाख का बिल

नोएडा स्थित निजी अस्पताल में करीब 24 घंटे तक सूर्या रहा और इस दौरान करीब चार लाख रुपये का बिल हुआ। अस्पताल प्रबंधन ने सूर्या के शव को देने से पहले चार लाख रुपये मांगे थे। हालांकि पुलिस ने बात करके शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

'बकरा हलाल करने के लिए सूर्या को ले जाना चाहता था'

चश्मदीद आयुष ने बताया, सूर्या ने गले मिलकर असद को ईद की बधाई दी थी। इसके बाद असद ने दोस्त सूर्या के पेट में चाकू घोंप दिया। इससे पहले असद अपने साथ सूर्या को बकरा हलाल करने के लिए घर ले जाना चाहता था, लेकिन उसने इन्कार कर दिया। इसके बाद दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई और असद ने सूर्या को गली में सुनसान स्थान पर ले जाकर वारदात की।

यह है मामला

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले में ईद के त्योहार पर खोड़ा थाना क्षेत्र की नवनीत विहार कॉलोनी में 11वीं कक्षा के छात्र की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। आरोप है कि हमला सूर्या के दोस्त असद और उसके साथियों ने किया। सूर्या को पहले पेट में चाकू मारा गया। इसके बाद वह चाकू लगे हालत में करीब 200 मीटर तक जान बचाने के लिए भागा। आरोपियों ने पीछा कर उसे गिरा दिया और पेट से चाकू निकालकर दोबारा कई बार वार किए। उपचार के दौरान शुक्रवार को सूर्या ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। मृतक के भाई यश चौहान ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनका परिवार मूलरूप से एटा के सुखवाबाद का रहने वाला है और खोड़ा में मां, बहन और भाई सूर्या के साथ रहता है। पिता कौशलेंद्र का पहले ही निधन हो चुका है। सूर्या 11वीं का छात्र था। बृहस्पतिवार को सूर्या अपने दो दोस्तों विक्की और आयुष के साथ घर के पास घूम रहा था। उसी दौरान असद ने सूर्या को फोन कर बकरीद पर मिलने के लिए गली नंबर दो में बुलाया। सूर्या अपने दोस्तों के साथ असद के घर की ओर चल दिया।

पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में लिया

एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि भाई यश की तहरीर पर बृहस्पतिवार रात असद समेत अन्य के खिलाफ जानलेवा हमले का मामला दर्ज किया गया था। सूर्या की मौत के बाद धाराओं को हत्या में तरमीम कर दिया गया है। पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है, लेकिन मुख्य आरोपी असद अभी गिरफ्त से बाहर है।

पेयजल समस्या को लेकर कार्यालय पर प्रदर्शन

जौनपुर। नगर पंचायत कजगांव के मझलेपुर वार्ड में लगातार कई दिनों से पेयजल न मिलने पर गुस्साए नगरवासियों ने नगर पंचायत कार्यालय पर प्रदर्शन किया तथा पानी की समस्या से निजात पाने के लिए कार्यालय में ज्ञापन दिया। नगरवासियों ने नगर पंचायत अध्यक्ष व अधिशासी अधिकारी पर आरोप लगाते हुए कहा कि उक्त नगर पंचायत के वार्ड संख्या दस मझलेपुर में नगर पंचायत के द्वारा नाली बनवाया जा रहा है जिसके चलते जल निगम पानी की सप्लाई का पाइप क्षति ग्रस्त हो गया है। नगरवासियों ने कहा कि इस भीषण गर्मी में लोग पेयजल के लिए परेशान है। उन्होंने ने बताया कि कई बार नगर पंचायत के जिम्मेदार लोगों को उक्त समस्या से अवगत कराया गया लेकिन उनके द्वारा अभी तक क्षति ग्रस्त पाइप को ठीक नहीं कराया गया। पानी न मिलने से गुस्साएं नगर वासियों कार्यालय पर पहुँचकर प्रदर्शन करते हुए आरोप लगाया की नगर पंचायत के सभी जिम्मेदार लोग कुम्भ कर्णी निंद्रा में लीन है।

बालों के सच्चे दोस्त हैं ये फूड्स, डाइट में करें शामिल...हेयर फॉल की होगी छुट्टी

बालों को झड़ने से रोकना हो तो सबसे जरूरी है कि आप अपनी डाइट को सुधारें, क्योंकि पोषक तत्वों की कमी से भी हेयर फॉल होने लगता है। इस आर्टिकल में कुछ ऐसे ही फूड्स के बारे में जानेंगे जो आपके बालों के बेस्ट फ्रेंड हैं यानी ऐसे न्यूट्रिएंट्स रिच हैं जो बालों के लिए आवश्यक होते हैं।

बालों के झड़ने की शिकायत आज के टाइम में आपको लगभग हर इंसान करते हुए दिख जाएगा। महिला से लेकर पुरुषों तक को ये समस्या परेशान करती है। इसके अलावा बालों का रूखा-बेजान होना। स्कैल्प पर जमी डैंड्रफ तक न्यूट्रिएंट्स की कमी से हो सकती है। बालों के झड़ने की समस्या से छुटकारा पाने के लिए लोग बाजार से महंगे तेल, सीरम, शैंपू, कंडीशनर खरीदकर लाते हैं और यहां तक कि कई तरह के सोशल मीडिया पर बताए जाने वाले हैक्स भी ट्राई करते हैं, लेकिन इससे आपके बाल अंदरूनी रूप से मजबूत नहीं बनते हैं। इस वजह से समस्या बार-बार वापस आ जाती है।

झड़ते बाल, डैंड्रफ, बालों का बेजान और रूखा होना जैसी समस्याएं बनी रहती हैं तो हो सकता है कि पोषण की कमी हो। अपनी डाइट में आपको विटामिन डी, पबमेड सेंट्रल (पीएमसी) के मुताबिक, बालों को हेल्दी रखने और ग्रोथ के लिए आयरन, विटामिन डी, बी-विटामिन (विशेष रूप से बायोटिन/बी7 और फोलेट), जिंक और प्रोटीन जैसे पोषक तत्व जरूरी होते हैं, तो चलिए जान लेते हैं इससे भरपूर फूड्स के नाम।

बायोटिन रिच फूड्स

बालों को हेल्दी रखने के लिए बी कॉम्प्लेक्स के विटामिन खासकर बायोटिन यानी बी7 जरूरी होता है। इसकी पूर्ति के लिए अपनी डाइट में आपको अंडा की जर्दी, बादाम, अखरोट, जैसी चीजें शामिल करनी चाहिए। ये वसा में घुलनशील विटामिन होता है, इसलिए शरीर में स्टोर हो जाता है। ये आपके नाखूनों, और त्वचा के लिए भी जरूरी होता है। ये आपके बालों को टूटने से बचाता है और केराटिन प्रोटीन के प्रोडक्शन को बढ़ावा देकर हेयर इलास्टिसिटी को इंप्रूव करने में मदद करता है, जिससे बाल चमकदार बनते हैं।

विटामिन डी के लिए क्या खाएं?

शरीर में विटामिन डी की पूर्ति के लिए डाइट में दूध, दही, छाछ, पनीर जैसी चीजें शामिल करनी चाहिए। इसके अलावा वेजिटेरियन फूड में मशरूम भी विटामिन डी का सोर्स होता है। ज्यादातर नॉनवेजिटेरियन फूड्स जैसे मछली, अंडा विटामिन डी का सोर्स होते हैं। विटामिन डी नए बालों की ग्रोथ को एक्टिव करने में अहम रोल प्ले करता है। इससे बाल लंबे होने के साथ ही घने भी होते हैं।

आयरन-सेलेनियम और जिंक

बालों को हेल्दी रखने के लिए अगर हम मिनरल्स की बात करें तो आयरन, जिंक और सेलेनियम बहुत जरूरी होते हैं। आयरन शरीर में रेड ब्लड सेल्स के प्रोडक्शन को बढ़ाता है और ये रेड ब्लड सेल्स आपके बालों की जड़ों तक ऑक्सीजन, पोषण पहुंचाने में मदद करते हैं। जिंक आपके बालों के ऊतकों की मरम्मत करने और विकास में अहम भूमिका निभाता है साथ ही ये ऑयल ग्लैंड्स को स्वस्थ रखता है, जिससे स्कैल्प यानी सिर की त्वचा हेल्दी बनती है। सेलेनियम एक पावरफुल एंटीऑक्सीडेंट होता है जो बालों के रोम यानी पोर्स को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से होने वाले नुकसान से बचाता है।

मिनरल्स से भरपूर फूड्स

सेलेनियम के लिए प्याज, मछली, अंडा, और ब्राजील नट्स खा सकते हैं। जिंक के लिए पंपकिन सीड्स यानी कद्दू के बीज, साबुत अनाज, कुछ नट्स जैसे चिलगोजा, काजू, अखरोट खाएं। आयरन की पूर्ति के लिए आपको दालें, हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक खानी चाहिए। इसी के साथ विटामिन सी रीच चीजें जैसे नींबू, संतरा, अमरूद खाने चाहिए जो आपके आयरन के अवशोषण को अच्छा बनाएंगे और बालों के साथ त्वचा को भी हेल्दी रखेंगे।

घर पर पेडिक्योर करते समय न करें ये गलतियां, हो सकता है नुकसान

पेडिक्योर एक आरामदायक और ताजगी भरा अनुभव है, जो पैरों की देखभाल करने में मदद करता है। हालांकि, घर पर पेडिक्योर करते समय अक्सर कुछ गलतियां हो जाती हैं, जो त्वचा और नाखूनों को नुकसान पहुंचा सकती हैं। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी सामान्य गलतियों के बारे में बताएंगे, जिनसे आपको बचना चाहिए ताकि आपका पेडिक्योर अनुभव बेहतर हो और आपके पैर स्वस्थ रहें।

बहुत गर्म पानी का उपयोग न करें

पेडिक्योर करते समय गर्म पानी का इस्तेमाल करना आम बात है क्योंकि इससे त्वचा मुलायम हो जाती है। हालांकि, बहुत ज्यादा गर्म पानी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकता है। यह त्वचा की नमी छीन लेता है और उसे सूखा बना सकता है। इसके अलावा गर्म पानी से पैरों में खून का बहाव बढ़ता है, जिससे सूजन और दर्द हो सकता है। इसलिए हमेशा हल्के गर्म पानी का ही इस्तेमाल करें।

नाखून के पास की त्वचा को न काटें

नाखून के पास की पतली परत को काटना गलत है क्योंकि इससे संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है और नाखून कमजोर हो सकते हैं। इसे काटने की बजाय नरम करने के लिए हल्के गर्म पानी में थोड़ा सा तेल मिलाकर उसमें पैर डालें। इससे यह परत आसानी से पीछे हट जाएगी और नाखून सुरक्षित रहेंगे। इस तरीके से आप बिना किसी खतरे के अपने नाखूनों की देखभाल कर सकते हैं।

त्वचा की स्क्रबिंग समय सावधानी बरतें

त्वचा की मृत कोशिकाओं को हटाने का एक अच्छा तरीका है, लेकिन इसे अधिक करने से त्वचा में जलन हो सकती है, खासकर अगर आप कठोर स्क्रब्स का उपयोग करते हैं तो इससे त्वचा में खुजली और लालिमा हो सकती है। बेहतर होगा कि आप मुलायम स्क्रब्स का उपयोग करें और हल्के हाथों से रगड़ें ताकि त्वचा को कोई नुकसान न पहुंचे। इससे आपकी त्वचा ताजगी भरी रहेगी और स्वस्थ भी बनी रहेगी।

नेल पॉलिश लगाने से पहले बेस कोट लगाएं

जब आप अपने पैरों पर नेल पॉलिश लगाते हैं तो भूल से भी बेस कोट न लगाएं। बेस कोट लगाने से पहले अगर आप सीधे नेल पॉलिश लगाते हैं तो वह जल्दी खराब हो जाती है और आपके नाखून भी खराब दिखते हैं। बेस कोट लगाने से नाखून मजबूत रहते हैं और पॉलिश लंबे समय तक बनी रहती है। इससे आपके पैरों की सुंदरता बढ़ती है और आपको एक बेहतरीन लुक मिलता है।

सही पैर की मालिश तकनीक अपनाएं

पैर की मालिश करते समय अक्सर लोग गलत जगह दबाव डाल देते हैं जिससे दर्द हो सकता है या चोट लग सकती है। सही जगह दबाव डालना जरूरी होता है जैसे तलवे के बीच वाले हिस्से पर हल्का दबाव डालें और एड़ी पर भी ध्यान दें। इसके अलावा अंगूठों की जड़ पर हल्का दबाव डालें ताकि खून का बहाव बेहतर हो सके। इन छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखते हुए आप अपने पैरों की देखभाल बेहतर तरीके से कर सकते हैं।

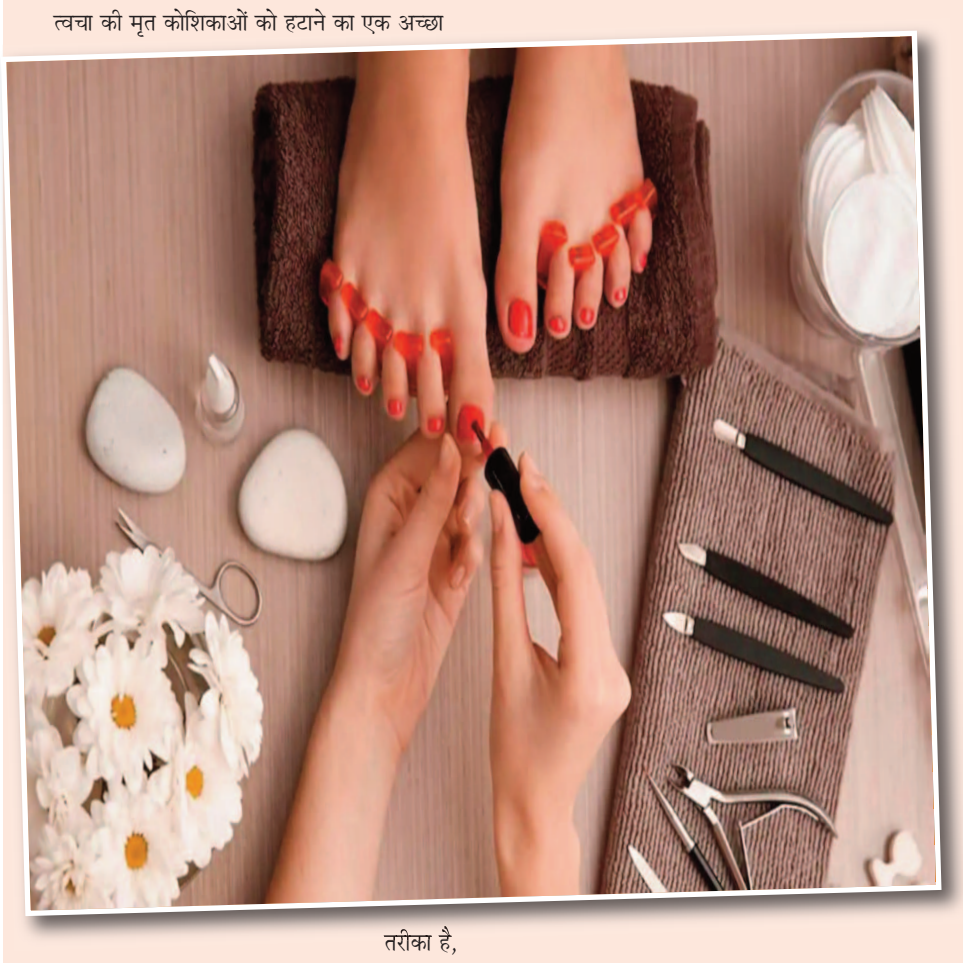

युवाओं में तेजी से बढ़ रही हाई हाई ब्लड प्रेशर की समस्या! कहीं आप भी तो नहीं कर रहे ये गलतियां

आजकल युवाओं में हाई ब्लड प्रेशर की समस्या तेजी से बढ़ती जा रही है, जो पहले केवल उम्रदराज लोगों में देखी जाती थी। अनियमित जीवनशैली, गलत खानपान, तनाव और शारीरिक गतिविधियों की कमी इसके प्रमुख कारण बनते जा रहे हैं।

कई युवा बिना जांच के इसे नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे आगे चलकर दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। हाई बीपी को "साइलेंट किलर" भी कहा जाता है क्योंकि इसके लक्षण अक्सर देर से पता चलते हैं। इसलिए जरूरी है कि समय रहते अपनी आदतों में सुधार किया जाए और स्वस्थ जीवनशैली अपनाई जाए ताकि इस गंभीर समस्या से बचा जा सके। यहां हम आपको बताएंगे कि युवाओं में आजकल बीपी की समस्या क्यों बढ़ रही है और इससे बचने के क्या तरीके हैं।

युवाओं में हाई BP के मुख्य कारण

इसका सबसे बड़ा कारण गलत खानपान और अनियमित दिनचर्या है। ज्यादा जंक और प्रोसेस्ड फूड खाने से शरीर में फैट और सोडियम की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे ब्लड प्रेशर प्रभावित होता है। नमक और शुगर का अधिक सेवन भी BP बढ़ाने का बड़ा कारण माना जाता है।

लगातार तनाव, पढ़ाई या नौकरी का मानसिक दबाव और पर्याप्त नींद न लेना भी इस समस्या को बढ़ाता है। फिजिकल एक्टिविटी की कमी और लंबे समय तक मोबाइल-लैपटॉप स्क्रीन के सामने बैठे रहने से शरीर की फिटनेस प्रभावित होती है, जिसका असर दिल और ब्लड प्रेशर पर पड़ता है।

हाई BP के लक्षण

बार-बार सिर दर्द होना, चक्कर आना, थकान और बेचैनी महसूस होना इसके सामान्य लक्षण हो सकते हैं।

कई लोगों को सीने में दबाव या भारीपन महसूस होता है।

कुछ मामलों में सांस फूलने और दिल की धड़कन तेज होने जैसी समस्याएं भी सामने आती हैं।

यदि ये लक्षण लगातार बने रहें तो तुरंत डॉक्टर से जांच करानी चाहिए।

बचाव के तरीके क्या हैं?

हाई BP से बचने के लिए स्वस्थ जीवनशैली अपनाना बेहद जरूरी है। रोजाना संतुलित और पौष्टिक आहार लें और जंक फूड से दूरी बनाएं। नियमित एक्सरसाइज और योग करने से ब्लड प्रेशर नियंत्रित रखने में मदद मिलती है। नमक का सेवन कम करना और पर्याप्त मात्रा में पानी पीना भी जरूरी है।

7–8 घंटे की अच्छी नींद मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य दोनों के लिए फायदेमंद होती है। तनाव कम करने के लिए मेडिटेशन और प्राणायाम अपनाना चाहिए। साथ ही समय-समय पर ब्लड प्रेशर की जांच कराते रहना जरूरी है ताकि समस्या को शुरुआती स्तर पर ही नियंत्रित किया जा सके।

क्या रोज रात को बंद कर देना चाहिए वाई-फाई राउटर या नहीं

क्या रात में वाई-फाई राउटर को बंद कर देना चाहिए या नहीं? ये सवाल कई लोगों के मन में होता है और कई लोग राउटर को बंद कर देते हैं जबकि, कई लोग राउटर को कभी बंद नहीं करते।

वैसे तो आजकल लगभग हर किसी के मोबाइल में 4जी या 5जी हाई स्पीड इंटरनेट होता है। कई तरह के रिचार्ज प्लान ऐसे हैं जो आपको इंटरनेट की सुविधा देते हैं। पर कई लोग अपने घरों में वाई-फाई राउटर लगवाते हैं।

ऐसा इसलिए क्योंकि स्मार्ट टीवी चलाना हो या फिर लैपटॉप पर कोई काम करना हो, उसके लिए इंटरनेट चाहिए होता है। इसलिए लोग घर पर वाई-फाई राउटर लगवाते हैं। लेकिन क्या आप ये जानते हैं कि क्या वाई-फाई राउटर को रात में बंद कर देना चाहिए या नहीं? चलिए जानते हैं आखिर करना क्या चाहिए...

इस सवाल का जवाब है हां भी और नहीं भी

दरअसल, राउटर को बंद करना आपकी जरूरत और व्यक्तिगत राय पर पूरी तरह निर्भर करता है

बस ये जान लें कि राउटर को इस तरह से डिजाइन किया जाता है कि ये 24*7 चल पाएं

कब बंद कर सकते हैं राउटर को?

अगर आप कुछ दिनों के लिए घर से बाहर जा रहे हैं

ऐसे में वाई-फाई राउटर को बंद किया जा सकता है

यहां पर इसका कोई इस्तेमाल न होने पर बंद करना बेहतर विकल्प हो सकता है

क्या रात को राउटर बंद करने से कम आता है बिजली का बिल?

वाई-फाई राउटर अधिक बिजली खर्च नहीं करते हैं

राउटर लगभग 7-20 वाट ही बिजली खर्च करते हैं

इसलिए ये कहना है कि इनसे बिजली के बिल में कोई बड़ा अंतर आता है, ऐसा नहीं है

हालांकि, ऊर्जा की जरूर थोड़ी बचत हो जाती है

कहां लगाना चाहिए वाई-फाई राउटर?

वाई-फाई राउटर को ऐसी जगह पर लगवाएं जहां से आपको इंटरनेट की अच्छी स्पीड मिल सके

अगर आप एक राउटर इस्तेमाल करते हैं और आपका 2 फ्लोर से अधिक का घर है, तो ऐसे में आप एक राउटर से दूसरा राउटर कनेक्ट कर इंटरनेट चला सकते हैं

भारत ऐसे बनेगा सेमीकंडक्टर का नया 'ग्लोबल किंग' दुनिया पर राज करने का मास्टरप्लान तैयार!

वाली 'चिप' को लेकर नीति आयोग ने बड़ा विजन पेश किया है। लक्ष्य है कि 2035 तक भारत विदेशी चिप पर अपनी निर्भरता पूरी तरह खत्म करे और ग्लोबल मार्केट का लीडर बने। इसके लिए 150 अरब डॉलर की मजबूत वैल्यू चेन बनाने और भारी सरकारी निवेश की सिफारिश की गई है।

आजकल हमारे हाथ में मौजूद स्मार्टफोन से लेकर सड़क पर दौड़ती स्मार्ट कार तक, सब कुछ एक छोटी सी 'चिप' यानी सेमीकंडक्टर पर निर्भर है। नीति आयोग की एक नई रिपोर्ट में इस बात का पूरा खाका खींचा गया है कि कैसे भारत साल 2035 तक दुनिया का नया 'सेमीकंडक्टर किंग' बन सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत को सिर्फ चिप का बाजार बनकर नहीं रहना है, बल्कि 150 अरब डॉलर की मजबूत वैल्यू चेन के साथ इस पूरी ग्लोबल इंडस्ट्री का लीडर बनना है। इसके लिए अगले एक दशक में करीब 180 अरब डॉलर तक के भारी निवेश की जरूरत होगी, जिसमें सरकार से कुल खर्च का एक-तिहाई हिस्सा खुद उठाने की सिफारिश की गई है।

2035 तक बदलेगी तस्वीर, 150 अरब डॉलर का मास्टरप्लान

नीति आयोग ने 'भारत के सेमीकंडक्टर उद्योग का भविष्य' नाम से जो रिपोर्ट जारी की है, वह सीधे तौर पर ग्लोबल मार्केट में भारत के दबदबे की कहानी कहती है। इस रिपोर्ट का लब्बोलुआब यह है कि हमें दुनिया की भीड़ के पीछे चलकर केवल दूसरों की नकल नहीं करनी है। इसके बजाय, भारत को अपनी रणनीतिक ताकत के दम पर एक ऐसी मजबूत जगह बनानी होगी, जिसके बिना वैश्विक सप्लाई चेन का काम ही न चल सके। लक्ष्य यह तय किया गया है कि 2035 तक देश के भीतर 120 से 150 अरब डॉलर की एक विशाल सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन खड़ी की जाए। यह ग्लोबल मार्केट में भारत की बादशाहत कायम करने का ब्लूप्रिंट है।

विदेशी निर्भरता होगी खत्म, बचेगी देश की गाढ़ी कमाई

आज की कड़वी सच्चाई यह है कि हमारी घरेलू जरूरत का 90 से 95 प्रतिशत सेमीकंडक्टर विदेशों से मंगाया जाता है। रिपोर्ट का अनुमान है कि 2035 तक सिर्फ भारत में चिप की मांग 200 अरब डॉलर के पार पहुंच जाएगी। यह बड़ी चिंता का विषय है कि अगर इतना बड़ा हिस्सा हम बाहर से ही खरीदते रहे, तो विदेशी मुद्रा के रूप में देश का बहुत सारा पैसा बाहर चला जाएगा। इसके अलावा, अगर कभी वैश्विक स्तर पर सप्लाई चेन में कोई दिक्कत आई, तो हमारे कई महत्वपूर्ण उद्योग पूरी तरह से ठप पड़ सकते हैं। इसीलिए इस आयात को कम करना समय की सबसे बड़ी मांग है।

सरकार को खोलनी होगी तिजोरी, निवेश का नया फॉर्मूला

देश में चिप डिजाइनिंग, मैन्युफैक्चरिंग से लेकर एडवांस पैकेजिंग का इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने के लिए भारी-भरकम पूंजी चाहिए। एक अनुमान के मुताबिक, अगले दस सालों में इसके लिए 135 से 180 अरब डॉलर के कुल निवेश की दरकार होगी। नीति आयोग ने सरकार को एक बेहद अहम सुझाव दिया है। प्राइवेट कंपनियों का भरोसा जीतने के लिए इस पूरे निवेश का कम से कम एक-तिहाई हिस्सा खुद भारत सरकार को अपनी जेब से देना चाहिए। जब सरकार खुद चिप बनाने वाली फैक्ट्रियों के बुनियादी ढांचे पर पैसा लगाएगी, तो प्रोजेक्ट्स का जोखिम कम होगा। इससे बड़ी-बड़ी प्राइवेट कंपनियां लंबे समय के लिए भारत में सुरक्षित निवेश कर पाएंगी।

क्यों जरूरी है चिप?

नीति आयोग के वाइस चेयरमैन अशोक कुमार लाहिड़ी ने स्पष्ट किया है कि विकसित राष्ट्र बनने के लिए दूसरों की तकनीक पर निर्भरता खत्म करनी होगी। इसे 'प्रौद्योगिकी संप्रभुता' (Technology Sovereignty) कहा जाता है। आज के समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), रक्षा उपकरण, टेलीकॉम सेक्टर, ट्रांसपोर्ट से लेकर आम नागरिक सेवाएं तक इसी छोटी सी चिप के सहारे चलती हैं। 2014 से 2024 के बीच वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार 6.15 प्रतिशत की तेज रफ्तार से बढ़ा है। आने वाले सालों में इसके 8.15 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है।

ईरान से डील को कब और कैसे मानेंगे ट्रंप? व्हाइट हाउस में 2 घंटे की मीटिंग के बाद हुआ खुलासा

वॉशिंगटन, एजेंसी। ईरान से जारी तनाव के बीच मेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में 2 घंटे बैठक की, जिसमें तेहरान से होने वाली डील पर चर्चा की गई। व्हाइट हाउस के सिचुएशन रूम में हुई इस मीटिंग में क्या हुआ और ट्रंप कब डील को मानेंगे, इसका खुलासा अमेरिका के एक अधिकारी ने किया है। व्हाइट हाउस के अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप केवल वही समझौता करेंगे जो अमेरिका के लिए अच्छा हो और उनकी तय शर्तों को पूरा करता हो। अधिकारी ने कहा कि ट्रंप नहीं चाहते कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार हासिल करे।

शुक्रवार को बैठक से पहले ट्रंप ने कहा था कि वह ईरान के साथ समझौते पर अंतिम निर्णय लेने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने व्हाइट हाउस के सिचुएशन रूम में अपने सलाहकारों के साथ बैठक की। इस दौरान ईरान के साथ समझौते के मुद्दे पर चर्चा की गई। हालांकि इस बैठक में कोई नतीजा नहीं निकला। बैठक में ईरान के साथ युद्धविराम बढ़ाने और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के समझौते पर आगे बढ़ने के बारे में कोई निर्णय नहीं लिया है।

क्षेत्रीय तनाव बरकरार

इस बीच पश्चिम एशिया में तनाव कम होने के संकेत नहीं मिल रहे हैं। अमेरिका और ईरान हाल ही में घोषित युद्धविराम के उल्लंघन को लेकर एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैंय वहीं लेबनान में इजराइल और ईरान समर्थित हिज्बुल्लाह के बीच संघर्ष भी जारी है। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इजराइली सेना लेबनान में और अंदर तक घुस गई है, वहीं हिजबुल्लाह ने देश के उत्तरी भाग में इजराइली सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर किए गए ड्रोन हमलों की जिम्मेदारी ली है। राजनयिक प्रयासों के बावजूद दोनों पक्ष एक-दूसरे पर युद्धविराम उल्लंघन के आरोप लगा रहे हैं।

समझौते पर कैसे मानेंगे ट्रंप

बातचीत के बाद, व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप केवल वही समझौता करेंगे जो अमेरिका के लिए अच्छा हो और उनकी तय शर्तों को पूरा करता हो। अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के साथ लगभग दो घंटे चली बैठक बिना किसी निर्णय के समाप्त हो गई। उन्होंने कहा कि कहा कि ट्रंप केवल उसी समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे जो उनकी कुछ शर्तों को पूरा करता हो और ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं पर अंकुश लगाता हो। उन्होंने कहा कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार हासिल नहीं कर सकता। उसे कभी भी परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

'बातचीत अभी अंतिम चरण तक नहीं पहुंची'

ये टिप्पणियां ऐसे समय में आईं जब व्हाइट हाउस ने संकेत दिया कि एक संभावित समझौते पर विचार किया जा रहा है, जबकि ईरानी अधिकारियों ने जोर देकर कहा कि बातचीत अभी अंतिम चरण तक नहीं पहुंची है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बकाई ने कहा कि दोनों देशों के बीच संवाद और विचार-विमर्श जारी है, लेकिन अभी तक कोई अंतिम समझौता नहीं हुआ है। इसके साथ ही उन्होंने इस बात को भी खारिज कर दिया कि तेहरान अमेरिका द्वारा थोपी गई शर्तों के तहत बातचीत कर रहा है। उन्होंने कहा कि ईरान ने 47 साल पहले हुक्म देने वाली भाषा को अलविदा कह दिया था।

ट्रंप के बयान को ईरान ने बताया झूठा

इसे पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने संभावित समझौते की व्यापक रूपरेखा प्रस्तुत की थी, जिसमें होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना, समुद्री यातायात को प्रभावित करने वाली नाकाबंदी को हटाना और ईरान के समृद्ध यूरेनियम भंडार पर समन्वय शामिल था। हालांकि, ईरानी सरकारी मीडिया ने इनमें से कई दावों को चुनौती दी। फ़ार्स समाचार एजेंसी ने ट्रंप के बयान को सच और झूठ का मिश्रण बताया और ईरान की परमाणु सामग्री के भविष्य और होर्मुज़ जलडमरूमध्य से जहाजों के आवागमन को नियंत्रित करने वाले नियमों से संबंधित दावों का खंडन किया। रिपोर्टों के मुताबिक,तेहरान किसी भी संभावित समझौते के तहत विदेशों में अरबों डॉलर की फ्रीज की गई ईरानी संपत्तियों की रिहाई की मांग कर रहा है।

आतंकी छवि धोने के लिए पाकिस्तान ले रहा अमेरिका का सहारा, फाइनल हुई डील

इस्लामाबाद, एजेंसी। दुनिया में आंतकवाद को फैलाने की छवि रखने वाला पाकिस्तान अपनी छवि सुधारने में जुटा हुआ है। इसके लिए वो अमेरिका का सहारा ले रहा है। अपनी अंतरराष्ट्रीय छवि सुधारने के लिए पाकिस्तान ने वॉशिंगटन में दो साल का 1.12 मिलियन डॉलर का लॉबिंग समझौता किया है। इस डील के जरिए वो अपने स्ट्रैटेजिक हितों को भी आगे बढ़ाएगा। इस समझौते के मुताबिक, वॉशिंगटन के पाकिस्तानी दूतावास ने अमेरिका की एक फर्म Ervin Graves Strategy Group, LLC को 50,000 डॉलर की मंथली फीस पर नियुक्त किया है। ये समझौता 1 मई 2026 से प्रभावी होगा।

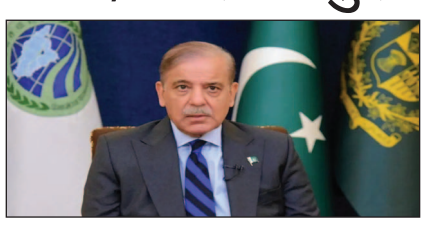

इस समझौते पर Ervin Graves Strategy LLC के CEO टॉम ग्रेव्स और अमेरिका में पाकिस्तान के राजदूत रिजवान सईद शेख ने हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत फर्म को विशेष रूप से वॉशिंगटन में पाकिस्तान के प्रति नजरिए को बदलने का काम सौंपा गया है। इस नजरिए को बदलने की कोशिश में पाकिस्तान को भरोसेमंद व्यापार और आतंकवाद-रोधी साझेदार के रूप में पेश किया जाएगा। साथ ही इस्लामाबाद को उसकी लंबे समय से चली आ रही आतंकी छवि की चुनौतियों से दूर करने की कोशिश की जाएगी।

अमेरिकी लॉबिंग फर्म Ervin Graves Strategy Group को सिर्फ पाकिस्तान की इमेज (छवि) ही सुधारने का जिम्मा नहीं दिया गया है बल्कि इसे एडवोकेसी अभियान चलाने का काम भी सौंपा गया है। ये फर्म व्हाइट हाउस और पेंटागन के अधिकारियों के साथ उच्च-स्तरीय बैठकें आयोजित करेगी। साथ ही अमेरिकी कांग्रेस के सदस्यों, रक्षा, व्यापार और विदेश नीति की देखरेख करने वाली प्रमुख कांग्रेसी समितियों के सदस्यों को प्रभावित करने की कोशिश करेगी। इस रणनीति का एक मुख्य हिस्सा वाशिंगटन के पाकिस्तानी दूतावास में अमेरिकी सांसदों, प्रमुख मंत्रालयों के कर्मचारियों और पाकिस्तानी अधिकारियों के बीच स्वागत समारोह, गोलमेज चर्चाएं और बंद दरवाजों के पीछे होने वाली नीतिगत चर्चाएं आयोजित करना है।

ट्रंप की हेल्थ रिपोर्ट आई सामने, डॉक्टर बोले- राष्ट्रपति पद पर रहने के लिए पूरी तरह फिट

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सेहत को लेकर व्हाइट हाउस ने नई मेडिकल रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रंप पूरी तरह स्वस्थ हैं और राष्ट्रपति के तौर पर अपनी सभी जिम्मेदारियां निभाने के लिए फिट हैं। यह रिपोर्ट वॉल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर में हुए उनके स्वास्थ्य परीक्षण के बाद जारी की गई। पिछले 13 महीनों में यह ट्रंप का तीसरा मेडिकल चेकअप था।

व्हाइट हाउस के डॉक्टर सीन बारबाबेला ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि ट्रंप की सेहत बहुत अच्छी है। उन्होंने कहा कि ट्रंप राष्ट्रपति और कमांडर-इन-चीफ के सभी कर्तव्यों को निभाने में पूरी तरह सक्षम हैं। रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप के दिल, फेफड़ों, आंखों और शरीर के अन्य महत्वपूर्ण अंगों की जांच की गई। सभी जांचों के नतीजे सामान्य पाए गए। डॉक्टरों ने सिर्फ दो छोटी बातें नोट कीं। पहली, उनके पैरों के निचले हिस्से में हल्की सूजन है। दूसरी, उनके हाथ पर कुछ नीले निशान दिखाई दिए। डॉक्टरों का कहना है कि यह बार-बार लोगों से हाथ मिलाने और हृदय संबंधी सुरक्षा के लिए एस्पिरिन लेने की वजह से हुआ है।

यह रिपोर्ट ट्रंप के मेडिकल टेस्ट के तीन दिन बाद जारी की गई। जांच के दौरान उनका वजन 238 पाउंड यानी करीब 108 किलोग्राम पाया गया। वहीं आराम की स्थिति में उनकी हृदय गति 73 धड़कन प्रति मिनट दर्ज की गई। पिछले साल व्हाइट हाउस ने बताया था कि ट्रंप को क्रॉनिक वेनस इंसफिशिएंसी नाम की बीमारी है। इसमें पैरों में खून का प्रवाह ठीक से नहीं हो पाता और सूजन आ सकती है। हालांकि डॉक्टरों का कहना है कि यह जानलेवा बीमारी नहीं है।

मानसिक क्षमता सामान्य है

ट्रंप का न्यूरोलॉजिकल और कॉग्निटिव टेस्ट भी किया गया। इसमें उनकी याददाश्त, सोचने-समझने की क्षमता और मानसिक स्थिति की जांच की गई। ट्रंप ने इस टेस्ट में 30 में से पूरे 30 अंक हासिल किए। डॉक्टरों ने कहा कि उनकी मानसिक क्षमता पूरी तरह सामान्य है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि ट्रंप कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित रखने और हृदय रोगों से बचाव के लिए दवाएं लेते हैं। डॉक्टरों ने कहा कि वह सभी जरूरी स्वास्थ्य जांच और टीकाकरण समय पर करवाते हैं। ट्रंप पिछले साल अप्रैल और अक्टूबर में भी वॉल्टर रीड अस्पताल गए थे। इसके अलावा इस साल जनवरी और मई में फ्लोरिडा में उनके दो दांतों से जुड़े इलाज भी हुए थे।

जून में 80 साल के हो जाएंगे ट्रंप

जून में ट्रंप 80 साल के हो जाएंगे। वह अमेरिका के इतिहास में राष्ट्रपति पद संभालने वाले सबसे अधिक उम्र के व्यक्ति हैं। ट्रंप अक्सर दावा करते हैं कि उनकी सेहत बहुत अच्छी है। हाल ही में मेडिकल जांच के बाद उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि उनका छह महीने का स्वास्थ्य परीक्षण पूरी तरह सफल रहा और सभी रिपोर्टें बिल्कुल सामान्य आई हैं।

उकसावे का जवाब भारत कैसे देता है, ऑपरेशन सिंदूर ने बताया...एनडीए की पासिंग-आउट परेड में बोले सेना प्रमुख

पुणे, एजेंसी। पुणे के खड़कवासला में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) की 150वीं पासिंग आउट परेड शनिवार (20 मई) को भव्य समारोह के साथ संपन्न हुई। परेड की समीक्षा भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने की। इस अवसर पर कुल 353 कैडेट्स एनडीए से स्नातक (Graduate) होकर भारतीय सशस्त्र बलों में अधिकारी बनने की दिशा में आगे बढ़े। इनमें 18 महिला कैडेट्स और 12 मित्र देशों के 24 विदेशी कैडेट्स भी शामिल थे। यह भव्य समारोह खेतरपाल परेड ग्राउंड में आयोजित किया गया था।

इस दौरान सेना प्रमुख ने अपने संबोधन में कहा कि यह अवसर उनके लिए भी बेहद भावनात्मक है, क्योंकि 42 साल पहले वह खुद इसी परेड ग्राउंड से पास आउट हुए थे। उन्होंने कहा कि एनडीए केवल एक प्रशिक्षण संस्थान नहीं, बल्कि ऐसे जवानों को बनाने वाली संस्था है जो जीवनभर राष्ट्रसेवा के मूल्यों को साथ लेकर चलते हैं।

कैडेट्स और पुरस्कार विजेताओं को बधाई

सेना प्रमुख ने परेड कमांडर, सभी कैडेट्स और पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी। उन्होंने विदेशी कैडेट्स को कहा कि वह भले ही अलग-अलग देशों से आए हों, लेकिन एनडीए के साझा मूल्यों और प्रशिक्षण ने उन्हें एक सूत्र में बांधा है, जो भविष्य में देशों के बीच मित्रता और सहयोग को मजबूत करेगा।

ऑपरेशन सिंदूर का किया ज़िक्र

अपने संबोधन में जनरल द्विवेदी ने कहा कि आज का सुरक्षा वातावरण तेजी से बदल रहा है। खतरे अब केवल पारंपरिक युद्धक्षेत्र तक सीमित नहीं हैं। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने यह साबित किया कि भारत उकसावे का जवाब सटीकता, समन्वय और दृढ़ संकल्प के साथ देने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि इस अभियान में दिखाई गई संयुक्त सैन्य क्षमता की नींव एनडीए में मिलने वाले त्रि-सेवा प्रशिक्षण में मिलती है।

अच्छे अधिकारी के तीन गुण बताए

सेना प्रमुख ने कहा कि एक सफल जवान बनने के लिए तीन गुण सबसे महत्वपूर्ण हैं एटीट्यूड, एडाप्टेबिलिटी और एबिलिटी। उन्होंने कहा कि दृष्टिकोण व्यक्ति का आंतरिक आधार होता है, अनुकूलन क्षमता बदलती परिस्थितियों में स्थिर रहने की ताकत देती है और क्षमता केवल कौशल नहीं, बल्कि कठिन परिस्थितियों में सही निर्णय लेने और दूसरों का विश्वास जीतने की योग्यता है।

'युद्ध हमेशा जेंडर न्यूट्रल होता है'

सेना प्रमुख ने पास आउट हो रही 18 महिला कैडेट्स की सराहना की। उन्होंने कहा कि महिला कैडेट्स ने हर मानक को पूरा किया है और परेड मैदान पर वह किसी भी अन्य कैडेट से अलग नहीं दिखतीं। उन्होंने कहा, 'आने वाले युद्धों में साहस, क्षमता और संकल्प का कोई लिंग नहीं होता। युद्ध हमेशा जेंडर न्यूट्रल होता है'।

परिवारों और प्रशिक्षकों का जताया आभार

जनरल द्विवेदी ने कैडेट्स के परिवारों और प्रशिक्षकों को भी बधाई देते हुए कहा कि कैडेट्स की सफलता के पीछे उनके त्याग, धैर्य और समर्पण की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि आज की उपलब्धि केवल कैडेट्स की नहीं, बल्कि उनके परिवारों और प्रशिक्षकों की भी है। अपने संबोधन का समापन एनडीए के आदर्श वाक्य "सेवा परमो धर्मः" का उल्लेख करते हुए सेना प्रमुख ने किया। उन्होंने नए अधिकारियों से कहा कि सेवा को सर्वोपरि रखते हुए राष्ट्रहित में अपने कर्तव्यों का पालन करें, क्योंकि देश उनसे सर्वोच्च स्तर की प्रतिबद्धता और नेतृत्व की अपेक्षा करता है।

कॉकरोच जनता पार्टी का नया कैंपेन : GEN-Z से मांगी गड्ढे-कूड़ा, खराब स्ट्रीट लाइट की फोटो, बोले- हम बनाएंगे दबाव

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी ने एक नया जमीनी अभियान शुरू किया है। पार्टी ने सार्वजनिक समस्याओं को उजागर करने और प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने के उद्देश्य से #LifeOfACockroach चलाया है। सीजेपी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक तीन मिनट का एआई वीडियो साझा किया है। वीडियो में इस अभियान के तहत लोगों से अपने आसपास की नागरिक सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं को रिकॉर्ड कर साझा करने की अपील की गई है।

लोगों से क्या कहा गया है?

अभियान चलाने वालों ने कहा है कि अगर कहीं सड़क पर बड़ा गड्ढा है, स्ट्रीट लाइट खराब है, कूड़े का ढेर लगा हुआ है या किसी सरकारी कार्यालय में लोगों को बुनियादी सेवाएं नहीं मिल रही हैं, तो नागरिक उसकी तस्वीर या वीडियो बनाकर भेज सकते हैं।

अभियान के तहत लोगों से संबंधित वीडियो और तस्वीरों के साथ सहयोग (कोलैबोरेशन) अनुरोध भेजने या सोशल मीडिया पर टैग करने को कहा गया है। आयोजकों का दावा है कि वे इन मुद्दों को व्यापक स्तर पर उठाएंगे, जनदबाव बनाएंगे और संबंधित अधिकारियों तक शिकायत पहुंचाने का प्रयास करेंगे।

नेहा धूपिया ने स्वर्ण मंदिर में टेका माथा, अमृतसरी छोले-भटूरे का लिया स्वाद

बॉलीवुड अभिनेत्री नेहा धूपिया इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। इसी सिलसिले में वह पंजाब के अमृतसर पहुंचीं, जहां उन्होंने स्वर्ण मंदिर में माथा टेका। उन्होंने इस यात्रा की कई तस्वीरें और वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए हैं, जिन्हें उनके फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। नेहा धूपिया ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए, जिसमें सबसे ज्यादा ध्यान खींचने वाली तस्वीर स्वर्ण मंदिर की थी। इस तस्वीर में नेहा पवित्र सरोवर के पास खड़ी नजर आ रही है। उन्होंने सिर पर पेस्टल कलर का दुपट्टा ओढ़ रखा है और हाथ जोड़कर श्रद्धा के साथ प्रार्थना करती दिखाई दे रही है। वहीं अन्य तस्वीरों में वह अमृतसर के मशहूर खाने का भी आनंद लेती दिख रही है। एक वीडियो में वह लोकल शॉप पर छोले-भटूरे खाते हुई नजर आ रही है। वीडियो में उनके चेहरे की खुशी साफ बता रही है कि उन्हें पंजाब का यह स्वाद बेहद पसंद आया है। एक दूसरी तस्वीर में वह मजाकिया अंदाज में पोज देती दिख रही है।

इस पोस्ट के साथ नेहा धूपिया ने कैप्शन में लिखा, इस यात्रा की हर बात खास रही। कैप्शन में उन्होंने रेड हार्ट, हाथ जोड़ने और एंजल इमोजी का भी इस्तेमाल किया। यह पहली बार नहीं है जब नेहा किसी धार्मिक जगह पर पहुंची हों। इससे पहले वह वृंदावन गई हैं। वहां उन्होंने सेवा कार्यों में हिस्सा लिया था।

अगर नेहा धूपिया के करियर की बात करें तो उन्होंने साल 2002 में मिस इंडिया का खिताब जीतकर ग्लैमर की दुनिया में कदम रखा था। इसके बाद उन्होंने फिल्म कयामतः सिटी अंडर थ्रेट से बॉलीवुड में शुरुआत की। आगे चलकर जूली, क्या कूल हैं हम, शूटआउट एट लोखंडवाला, सिंह इज किंग, चुप चुप के और तुम्हारी सुलु जैसी फिल्मों में काम करके अपनी अलग पहचान बनाई।

फिल्मों के अलावा, नेहा टीवी की दुनिया में भी काफी सक्रिय रही हैं। वह कई रियलिटी शो में जज और होस्ट के रूप में नजर आ चुकी हैं। उनका चर्चित चैट शो नो फिल्टर नेहा भी काफी लोकप्रिय रहा। हाल ही में उन्होंने अपने पति अंगद बेदी के साथ मिलकर कपल-बेस्ड पॉडकास्ट फॉर्मेट लॉन्च किया, जिसमें वे चर्चित सेलिब्रिटी कपल्स से बातचीत करते हैं।

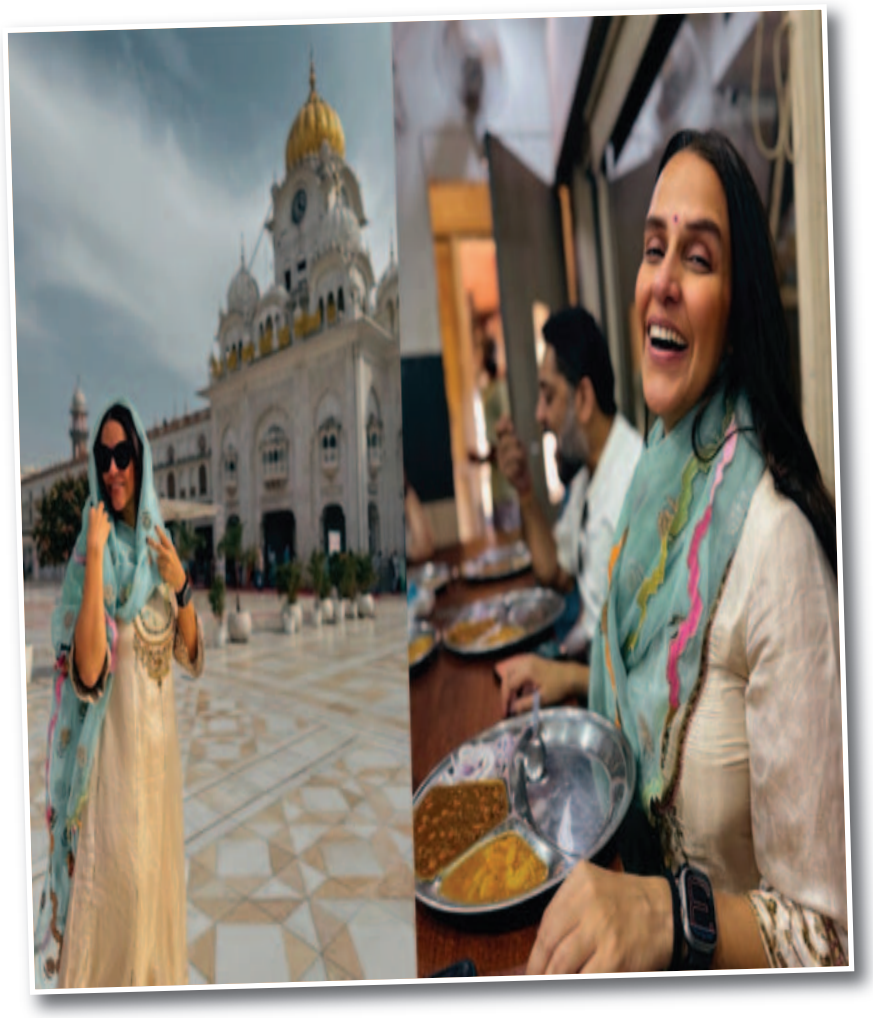

बॉलीवुड में एक ही नाम से दो बार बनीं ये फिल्में, लिस्ट में जुड़ा 'ज्वेल थीफ' का भी नाम

बॉलीवुड का जादू उसकी कहानियों में बसता है। कभी-कभी ये कहानियां एक ही नाम के साथ अलग-अलग दौर में अलग रंग बिखेरती हैं। इसका ताजा उदाहरण 'ज्वेल थीफ' है। इस नाम से पहले भी फिल्म बन चुकी है, जिसमें देव आनंद नजर आए थे। वहीं, हालिया फिल्म में सैफ अली खान हैं। इस फिल्म के अलावा और भी बहुत सी फिल्में हैं जो अलग समय में एक ही नाम से बनी हैं। आइए जानते हैं...

दोस्ताना

'दोस्ताना' नाम की फिल्म ने अलग-अलग दशक में दोस्ती और प्यार की कहानी को अलग ढंग से बयां किया। 1980 में राज खोसला की 'दोस्ताना' एक गंभीर एक्शन-ड्रामा थी, जिसमें अमिताभ बच्चन और शत्रुघ्न सिन्हा ने दो दोस्तों की भूमिका निभाई थी। फिल्म का गाना 'बने चाहे दुश्मन ज़माना हमारा' और अमिताभ की दमदार अदाकारी ने इसे सुपरहिट बनाया। दूसरी ओर, 2008 की 'दोस्ताना' एक हल्की-फुल्की रोमांटिक कॉमेडी थी, जिसे तरुण मनसुखानी ने निर्देशित किया था। अभिषेक बच्चन और जॉन अब्राहम इस फिल्म में मुख्य भूमिका में थे। फिल्म में दोनों को एक अपार्टमेंट पाने के लिए समलैंगिक जोड़े का नाटक करते हुए दिखाया गया था।

एजेंट विनोद

'एजेंट विनोद' नाम जासूसी थ्रिलर की फिल्म थी जो साल 1977 में रिलीज हुई थी। दीपक बहरी के निर्देशन में बनी 'एजेंट विनोद' में महेंद्र संधू ने एक जासूस की भूमिका निभाई थी। इसके उलट, साल 2012 में श्रीराम राघवन की 'एजेंट विनोद' में सैफ अली खान ने रॉ एजेंट विनोद का किरदार निभाया था, जो एक वैश्विक आतंकी साजिश को रोकता है। करीना कपूर, विदेशी लोकेशन्स और शानदार संगीत के बावजूद यह फिल्म फ्लॉप रही थी।

इंतकाम

'इंतकाम' की कहानी बदले की भावना के इर्द-गिर्द बुनी गई थी। साल 1969 में आर के नय्यर की 'इंतकाम' एक सस्पेंस थ्रिलर थी, जिसमें साधना और संजय खान जैसे सितारे नजर आए थे। साधना का शानदार अभिनय और सस्पेंस ने इसे हिट बनाया। दूसरी ओर, 1988 में राजकुमार कोहली की 'इंतकाम' एक एक्शन फिल्म थी, जिसमें सनी देओल नजर आए थे। 80 के दशक की जोरदार शैली और सनी के डायलॉग्स ने इसे फैंस में लोकप्रिय बनाया, लेकिन यह फिल्म औसत रही।

इत्तेफाक

साल 1969 में आई यश चोपड़ा की 'इत्तेफाक' एक सस्पेंस थ्रिलर थी, जिसमें राजेश खन्ना ने एक ऐसे व्यक्ति का किरदार निभाया था जो एक हत्या के मामले में फंस जाता है। यह फिल्म अपने ट्विस्ट और सधे हुए कथानक की वजह से अपने समय में हिट रही। दूसरी ओर, साल 2017 में अभय चोपड़ा की 'इत्तेफाक' में सिद्धार्थ मल्होत्रा और सोनाक्षी सिन्हा थे। यह एक मर्डर मिस्ट्री थी, जिसमें दो अजनबी एक डबल मर्डर केस में उलझते हैं। आधुनिक प्रस्तुति और ट्विस्ट ने इसे सराहना दिलाई, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास सफल नहीं रही।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादकः प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com